Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 74
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
मंगलवार,14 अक्टूबर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

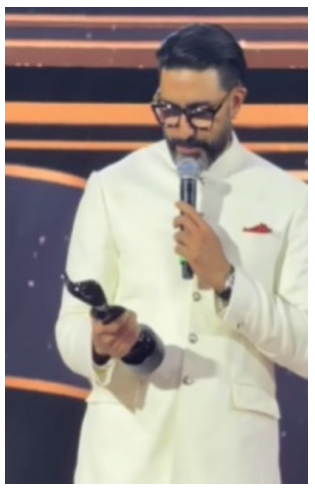

3 प्राक्कलन समिति के अध्यक्ष ने वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग का 4 धौंस-धमकान की नीति ट्रंप के लिए होगी आत्मघाती 5 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में अभिषेक बच्चन की

मुख्यमंत्री ने इन्वेस्ट यूपी के पुनर्गठन को दी मंजूरी

स्थापित होंगे विशेषज्ञ सेल और सैटेलाइट ऑफिस

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सम्पन्न इन्वेस्ट यूपी शासी निकाय की पहली बैठक में प्रदेश के औद्योगिक निवेश ढांचे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में इन्वेस्ट यूपी के पुनर्गठन प्रस्ताव को मुख्यमंत्री ने स्वीकृति दी। नए ढांचे के तहत टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल एवं इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सर्विस सेक्टर जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञ सेल गठित किए जाएंगे। मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और नई दिल्ली में सैटेलाइट इन्वेस्टमेंट प्रमोशन ऑफिस स्थापित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से घरेलू और वैश्विक निवेशकों से सीधा संवाद स्थापित कर उत्तर प्रदेश में निवेश को प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कार्यालयों के संचालन में पारदर्शिता, दक्षता और परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण सुनिश्चित किया जाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि पुनर्गठन का उद्देश्य इन्वेस्ट यूपी को अधिक कार्यकुशल, विशेषज्ञता-आधारित और निवेशक-केंद्रित संस्था के रूप में विकसित करना है। बैठक में 11 महाप्रबंधक,सहायक महाप्रबंधक पदों पर कार्योत्तर स्वीकृति दी गई। दो संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी पीसीएस संवर्ग को प्रतिनियुक्ति पर तैनात करने तथा भूमि बैंक प्रकोष्ठ गठित करने का निर्णय लिया गया, जिसमें दो पीसीएस अधिकारी एसडीएम एडीएम स्तर के तैनात होंगे।मुख्यमंत्री ने कहा कि नया ढांचा इन्वेस्ट यूपी को एक ह्यएकल निवेश सुविधा एजेंसीह्ल के रूप में सशक्त बनाएगा, जो न केवल निवेश आकर्षित करेगी बल्कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन तक उनकी सक्रिय निगरानी भी सुनिश्चित करेगी। उन्होंने निर्देश दिया कि इस ढांचे को त्वरित प्रभाव से लागू किया जाए और प्रत्येक प्रकोष्ठ का कार्यक्षेत्र स्पष्ट रूप से परिभाषित हो, ताकि निवेश संवर्धन की दिशा में समन्वित और परिणामोन्मुख व्यवस्था विकसित हो सके। बैठक में बताया गया कि बीते कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने औद्योगिक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2024-25 में लगभग 4,000 नई फैक्ट्रियाँ स्थापित हुईं, जिससे कुल संख्या लगभग 27,000 तक पहुँच गई है। वर्ष 2022-23 तक प्रतिवर्ष औसतन 500 नई इकाइयाँ स्थापित हो रही थीं, जिनमें अब कई गुना वृद्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्यरिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्मह्ल मंत्र के सफल क्रियान्वयन से राज्य के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में आए सकारात्मक परिवर्तन का प्रमाण है।बैठक में निवेश प्रोत्साहन और सुविधा व्यवस्था की समीक्षा की गई। बताया गया कि फॉर्च्यून 1000 सूची की 814 कंपनियों को अकाउंट मैनेजर आवंटित किए गए हैं। अब तक 50 नए एमओयू हस्ताक्षरित हो चुके हैं तथा 280 से अधिक कंपनियों से संवाद प्रगति पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशक इकाइयों को भूमि, सब्सिडी आदि के साथ-साथ प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए संवाद बढ़ाया जाए।ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में औद्योगिक निवेश अब नीतिगत प्रतिबद्धता नहीं, बल्कि ह्यग्राउंड लेवल डिलीवरीह्ल का उदाहरण बन चुका है। निवेश मित्र पोर्टल 3.0 के माध्यम से आवेदन, स्वीकृति, प्रोत्साहन की प्रक्रिया को और सरल किया जा रहा है, जिससे 30 फीसदी तक प्रक्रिया समय और 50 फीसदी तक दस्तावेजी औपचारिकताओं में कमी आएगी। पोर्टल में सिंगल साइन-ऑन, डायनेमिक एप्लीकेशन सिस्टम, एआई आधारित चौटबॉट, थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन और डिजिटल मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएँ शामिल की जा रही हैं, जो निवेशकों के अनुभव को और अधिक सुगम बनाएंगी।

मुख्यमंत्री पहुंचे गौलापार, आत्मनिर्भर भारत अभियान पर गोष्ठी का किया शुभारंभ

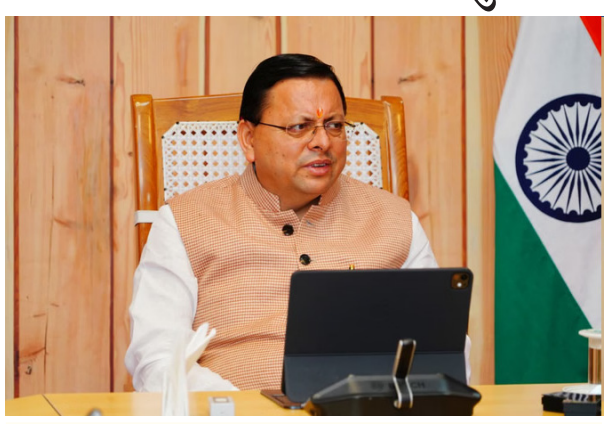

सीएम धामी ने बैंक्वेट हॉल में आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी संकल्प अभियान पर आयोजित सोशल मीडिया गोष्ठी का शुभारंभ किया।

हल्द्वानी (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सोमवार को गौलापार पहुंचे और बैंक्वेट हॉल में आत्मनिर्भर भारत व स्वदेशी संकल्प अभियान पर आयोजित एक सोशल मीडिया गोष्ठी का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सोमवार को गौलापार पहुंचे। सीएम धामी ने बैंक्वेट हॉल में आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी संकल्प अभियान पर आयोजित सोशल मीडिया गोष्ठी का शुभारंभ किया। बता दें कि, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के गौलापार पहुंचने से पहले यहां ग्रामीणों ने गौवंश के सड़क पर आवारा घूमने की समस्या को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। मौके पर मौजूद एसडीएम ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। विरोध को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा।

मिजार्पुर में किशोरी से गैंगरेप, चचेरे भाई समेत तीन लड़कों पर मुकदमा दर्ज

मिजार्पुर (एजेंसी)। मिजार्पुर जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में 13 वर्षीय एक लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में उसके चचेरे भाई समेत तीन नाबालिग रिश्तेदारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गयी है। लड़की को गंभीर अवस्था में मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सदर) अमर बहादुर सिंह ने बताया कि देहात कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में रविवार की शाम एक किशोर अपनी 13 वर्षीय चचेरी बहन को बहला-फुसलाकर एकांत में ले गया जहां पर दो लड़के का पहले से इंतजार कर रहे थे। उन तीनों ने बच्ची से कथित रूप से सामूहिक बलात्कार किया। उन्होंने कहा कि लड़की की तबीयत खराब होने पर आरोपी उसे छोड़कर भाग गए। लड़की किसी तरह घर पहुंची और परिजन उसकी हालत देखकर उसे मंडलीय अस्पताल ले गये। सिंह ने बताया कि तीनों बाल अपचारियों को पकड़ कर करके उन्हें बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

चुनाव आयोग ने झारखंड, मिजोरम और जम्मू-कश्मीर में उपचुनाव की घोषणा की, 11 नवंबर को होगा मतदान

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने तीन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में खाली हुई विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की। झारखंड, मिजोरम और जम्मू-कश्मीर की विधानसभा की कुछ सीटें हाल ही में खाली हुई हैं, जिन्हें भरने के लिए चुनाव आयोग ने चुनावी प्रक्रिया की तारीखें तय की हैं। यह उपचुनाव 16 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। झारखंड की 45-घाटशिला (एसटी) विधानसभा सीट (जो राम दास सोरेन के निधन के कारण 15 अगस्त, 2025 को खाली हुई थी) पर उपचुनाव होने जा रहा है। चुनाव आयोग ने इस सीट के लिए उपचुनाव की तारीखों का ऐलान करते हुए कहा है कि 16 नवंबर तक नया विधायक चुना जाएगा। निर्वाचन के लिए 21 अक्टूबर को नामांकन की अंतिम तारीख रहेगी। 22 अक्टूबर को नामांकन की जांच होगी और 24 अक्टूबर तक उम्मीदवार अपने नाम वापस ले सकेंगे। 11 नवंबर

को मतदान होगा। मतदान का समय सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। मिजोरम की 2-डांपा (एसटी) विधानसभा सीट भी खाली हुई थी, जब लालरिंतलुआंगा सैलो का निधन 21 जुलाई, 2025 को हुआ। यहां भी उपचुनाव 16 नवंबर तक पूरा होना है। यहां नामांकन 21 अक्टूबर तक जमा करने होंगे, 22 अक्टूबर को नामांकन की जांच होगी, 24 अक्टूबर तक उम्मीदवार नाम वापस ले सकेंगे। मतदान 11 नवंबर को सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। जम्मू-कश्मीर के नागरोटा विधानसभा क्षेत्र की 77 नंबर की सीट देवेंद्र सिंह राणा के निधन के कारण 31 अक्टूबर, 2024 को खाली हुई थी। यहां भी चुनाव आयोग ने उपचुनाव कराने का निर्णय लिया है। यहां नामांकन की अंतिम तारीख 20 अक्टूबर निर्धारित की गई है। 22 अक्टूबर को नामांकन की जांच होगी और 24 अक्टूबर तक नाम वापसी की अनुमति रहेगी। मतदान की तारीख 11 नवंबर तय की गई है। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक चलेगा।

नए आपराधिक न्याय कानूनों को लागू करना 21वीं सदी का सबसे बड़ा सुधार: शाह

जयपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को 21वीं सदी का सबसे बड़ा सुधार (रिफॉर्म) बताते हुए सोमवार को कहा कि इससे लोगों को समय पर, सुलभ तरीके से और सरलता से न्याय मिलेगा। यहां नए कानूनों पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद शाह ने कहा कि इनके संपूर्ण कार्यान्वयन के बाद देश की आपराधिक न्याय प्रणाली पूरी दुनिया में सबसे आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली बन जाएगी। शाह ने कहा,मैं विश्वास के साथ कह रहा हूं कि इक्कीसवीं शताब्दी का सबसे बड़ा ह्यरिफॉर्म हमारे तीन आपराधिक न्याय कानूनों को आगे लागू करना है। इसके संपूर्ण क्रियान्वयन के बाद हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली पूरी दुनिया में सबसे आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली बन जाएगी, इसका मुझे पूरा विश्वास है। पुरानी व्यवस्था के तहत

न्याय में होने वाली देरी पर शाह ने कहा कि कुछ मामले बिना सजा के 25 से 30-30 साल तक चलते रहते थे। उन्होंने कहा, लोगों को समय पर न्याय नहीं मिलता था। अब इससे मुक्ति मिल जाएगी। नए कानूनों के तहत प्रकियाओं को समयबद्ध किए जाने का उल्लेख करते हुए, शाह ने कहा कि जब हमने समयसीमाएं तय कीं तब सबके मन में संशय था कि क्या ऐसा हो पायेगा? लेकिन सिर्फ एक साल हुआ है, देश में पचास प्रतिशत से ज्यादा आरोप पत्र समय पर होने लगे हैं। उन्होंने कहा,मुझे पूरा विश्वास है एक और साल में ये नब्बे प्रतिशत तक पहुंच जायेंगे। गृह मंत्री ने यह भी बताया कि भारत सरकार ने नयी प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए लाखों पुलिसकर्मियों, हजारों न्यायिक अधिकारियों और फोरेंसिक प्रयोगशालाओं व जेल कर्मचारियों का प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। शाह ने कहा कि इन सुधारों से अदालत में प्रत्यक्ष रूप से पेश होने की जरूरत कम हो जाएगी। उन्होंने कहा, आरोपियों को जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया जाएगा, जबकि पुलिस अधिकारी, बैंक कर्मचारी, डॉक्टर और फोरेंसिक विशेषज्ञ भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हो सकेंगे। इससे समय और पैसे दोनों की बचत होगी। उन्होंने कहा कि इससे विचाराधीन कैदियों के पुलिस हिरासत से भागने की संभावना भी कम हो जाएगी। शाह ने कहा कि देश में लागू तीन नए आपराधिक कानून लोगों को समय पर, सुलभ तरीके से और सरलता से न्याय देने का काम करेंगे। उन्होंने कहा,पूरे देश में किसी के भी साथ अन्याय होता है तो वो अदालत में जाना पसंद नहीं करता। हमारी न्यायिक व्यवस्था की छवि न्याय समय पर ना मिले, ऐसी बनी है।

मृत्युंजय तिवारी ने एनडीए के सीट बंटवारे पर भाजपा पर साधा निशाना

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सीट बंटवारे पर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने एनडीए के सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर तीखा हमला बोला है। आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के पोस्ट का हवाला देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि भाजपा ने अपने सहयोगी दलों को उनकी हैसियत दिखाकर घुटनों पर लाने का काम किया है। भाजपा ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) को भी बराबर का भाई बनाकर उसके बड़े भाई की भूमिका को खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा, सबने देखा है कि कैसे भाजपा ने अपने सहयोगियों को कमजोर किया। जदयू, जो पहले बड़े भाई की भूमिका में थी, अब बराबरी की स्थिति में ला दी गई है। चुनाव के बाद भाजपा, जदयू को पूरी तरह खत्म करके बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी हासिल कर लेगी।

महागठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर पप्पू यादव का बड़ा दावा, बोले- कल साफ हो जाएगी पूरी तस्वीर

पटना (एजेंसी)। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू याद व ने सोमवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए महागठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा कि महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर फैसला लगभग-लगभग हो चुका है। कल दोपहर तक पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी। किसी को भी महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं एक बात पूरे दावे के साथ कहता हूं कि बिहार में महागठबंधन के पक्ष में सकारात्मक माहौल है। स्थिति पूरी तरह से हमारे पक्ष में है। प्रदेश का गरीब-गुरबा हमारे साथ है। निश्चित तौर पर आगे के चुनाव में हमारे लिए नतीजे सकारात्मक निकलकर ही सामने आएंगे। इसके अलावा, उन्होंने सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस का रुख स्पष्ट किया।

करूर भगदड़ की होगी सीबीआई जांच

सुप्रीम कोर्ट ने दियाआदेश, पूर्व न्यायाधीश करेंगे निगरानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने करूर में हुई भगदड़ की घटना की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने के सोमवार को आदेश दिए, साथ ही सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी को जांच की निगरानी के लिए गठित समिति का प्रमुख नियुक्त किया। न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने 27 सितंबर को अभिनेता विजय की रैली में हुई भगदड़ से संबंधित याचिकाओं पर विचार करने और एसआईटी जांच का आदेश देने के लिए मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एन सेंथिलकुमार की आलोचना भी की। पीठ ने कहा, जब घटना की जांच के अनुरोध वाली याचिकाएं मदुरै पीठ के समक्ष लंबित थीं, तब मुख्य न्यायाधीश के आदेश के बिना मुख्य पीठ के एकल न्यायाधीश का याचिकाओं पर विचार करने का कोई तुक नहीं था। शीर्ष अदालत ने कहा कि विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) और उसके सदस्यों को पक्षकार नहीं बनाया

गया है और उन्हें सुनवाई का कोई अवसर दिए बिना ही उनके खिलाफ टिप्पणियां की गईं। पीठ ने कहा, एकल न्यायाधीश इस निष्कर्ष पर कैसे पहुंचे या अदालत ने क्या सामग्री देखी, इसका भी कोई जिक्र फैसले में नहीं है। उक्त आदेश में केवल अतिरिक्त महाधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत दलीलों का जिक्र है। शीर्ष अदालत ने 10 अक्टूबर को विजय की राजनीतिक पार्टी और अन्य द्वारा दायर याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। टीवीके ने सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में स्वतंत्र जांच कराए जाने का अनुरोध किया था और तर्क दिया कि यदि केवल तमिलनाडु पुलिस के अधिकारी जांच करेंगे तो निष्पक्ष जांच संभव नहीं होगी।

हिमाचल प्रदेश, सोनिया गांधी ने पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का किया अनावरण, अर्पित की पुष्पांजलि

शिमला (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने सोमवार को शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान के दौलत सिंह पार्क में, हिमाचल प्रदेश के छह बार मुख्यमंत्री रहे वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपनी बेटी प्रियंका गांधी वाद्रा के साथ दिवंगत नेता को पुष्पांजलि अर्पित की। छह फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा हिमाचल प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ वाई एस परमार, महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं की

प्रतिमाओं के पास स्थापित की गई है।वीरभद्र सिंह रामपुर-बुशहर राजघराने के वंशज थे। उन्होंने पहली बार आठ अप्रैल, 1983 को मुख्यमंत्री का पद संभाला। इसके बाद अगले चार दशकों तक वह सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहे। उन्होंने पांच बार और मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। लंबी बीमारी के कारण 2021 में उनका निधन हो गया। प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी, सचिन पायलट और दीपेंद्र हुड्डा भी उपस्थित थे।

ओम प्रकाश राजभर ने एनडीए में सीटें न मिलने पर जताई नाराजगी , बोले-हम बिहार में अलग मोर्चा बनाकर लड़ सकते हैं चुनाव

पटना (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए में सीटें नहीं मिलने पर अफसोस जाहिर किया। उन्होंने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा कि हम तीन-चार सीटें ही मांग रहे थे, लेकिन हमें एक भी सीट नहीं दी गई। क्या हम सिर्फ वोट दिलाने की मशीन हैं? उपचुनाव में तो मैंने वोट दिला दिया था। लेकिन, इस बार ऐसा कुछ भी होने वाला नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि बिहार में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने केंद्रीय नेतृत्व को सही जानकारी नहीं दी, जिसका खामियाजा मौजूदा समय में बिहार की जनता को भुगतना पड़ रहा

है। लेकिन, कोई बात नहीं है। हमारी बिहार में क्षेत्रीय दलों से बातचीत हो रही है। आगे चलकर हम बिहार में अलग मोर्चा बनाकर चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब हमने बिहार में बीते दिनों दो सीटों पर चुनाव लड़ा था, तो भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने हमें आश्वस्त किया था कि हम आगामी दिनों में बिहार में एक साथ चुनाव लड़ेंगे। लेकिन, अफसोस लोग ये सब बातें भूल चुके हैं। खैर, कोई बात नहीं। हमें इसका कोई मलाल नहीं है। मैं आपको बता दूं कि हम लोग 153 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा, उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर भी पलटवार किया।

भूटान से आने वाले पानी के कारण बाढ़ आयी, उसे पश्चिम बंगाल को मुआवजा देना चाहिए: ममता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दावा किया कि पड़ोसी देश भूटान से बहकर आने वाले पानी के कारण उत्तर बंगाल में बाढ़ आयी और उन्होंने भूटान से मुआवजे की मांग की। राहत एवं पुनर्वास कार्यों का निरीक्षण करने के लिए प्राकृतिक आपदा प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर रही मुख्यमंत्री बनर्जी ने जलपाईगुड़ी जिले के नागराकाटा में कहा कि भूटान से विभिन्न नदियों के माध्यम से बहकर आने वाले वर्षा जल के कारण यह क्षति हुई है। बनर्जी ने एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान अपने संक्षिप्त

संबोधन में कहा, भूटान से आने वाले पानी के कारण हमें नुकसान हुआ है हम चाहते हैं कि वे हमें मुआवजा दें। उन्होंने कहा, मैं पिछले कुछ समय से भारत-भूटान संयुक्त नदी आयोग के गठन पर जोर दे रही हूं और मेरी मांग है कि पश्चिम बंगाल को भी इसका हिस्सा बनाया जाए। हमारे दबाव में इस महीने की 16 तारीख को एक बैठक होनी है और हमारे अधिकारी उसमें शामिल होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र ने राज्य को आपदाओं से निपटने के लिए मिलने वाली आर्थिक सहायता से वंचित रखा है। बनर्जी ने जलपाईगुड़ी जिले के नागराकाटा के बामनडांगा क्षेत्र में कई राहत शिविरों का दौरा किया, जो चार अक्टूबर को हुई भारी बारिश के कारण सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। इससे इस क्षेत्र में बाढ़ आ गई थी और दार्जिलिंग तथा उसके निचले इलाकों के ऊपरी इलाकों में जान-माल की व्यापक क्षति हुई थी। पश्चिम बंगाल के उत्तरी जिलों में भूस्खलन और बाढ़ में कम से कम 32 लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हुए हैं। प्राकृतिक आपदा के बाद बनर्जी उत्तर बंगाल के अपने दूसरे दौरे पर हैं। वह शुक्रवार तक वहां रहेंगी। राहत कार्यों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री बनर्जी पांच अक्टूबर से चार दिनों के लिए उत्तर बंगाल में थीं।

IREE 2025 : दिल्ली में 15 अक्टूबर से एशिया की सबसे बड़ी रेलवे प्रदर्शनी

गोरखपुर: भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) द्वारा एशिया की सबसे बड़ी इंटरनेशनल रेलवे इक्विपमेंट एग्ज़िबिशन (IREE) 2025 के16वें संस्करण का आयोजन 15 से 17 अक्टूबर तक नईदिल्ली स्थित भारत मंडपम में किया जा रहा है। यह आयोजन भारतीय रेल के सहयोग से किया जा रहा है। सोमवार को इस संबंध में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ। जिसमें प्रदर्शनी की प्रमुख विषय-वस्तुओं, थीम्स और वैश्विक सहभागिता से जुड़ी जानकारी साझा की गई। जिसमें भारतीय रेल के साथ देश-विदेश की अनेक प्रमुख कंपनियों हिस्सा लेंगी। भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) व्यापार मेले परिषद के अध्यक्ष बी. थियागराजन ने कहा कि IREE 2025 एक ऐसा मंच है जो भारतीय रेल और दुनिया

भर के उपकरण निमार्ताओं के बीच सहयोग और संवाद का अवसर प्रदान करता है। इस वर्ष का संस्करण एक महत्वपूर्ण पड़ाव है क्योंकि भारतीय रेल भारत को आधुनिकीकरण, सतत विकास और स्मार्ट मोबिलिटी के वैश्विक मानक के रूप में स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। सैनमार मैट्रिक्स मेटल्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक नारायण सेथुरामन ने कहा कि भारतीय रेल सच्ची भावना का प्रतीक है। इसने एक सम्पूर्ण उद्योग-परिसर को विकसित होने का अवसर दिया है, जो हाल के वर्षों में तेजी से आगे बढ़ा है। आज हम भविष्य के लिए तैयार मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की हैं। सैमटेल एक्सोनिक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पुनीत कौरा ने इस आयोजन के सहयोगात्मक स्वरूप पर जोर देते हुए कहा कि IREE 2025 उद्योग और सरकार के बीच सहयोग का प्रतीक है। यह आयोजन इस तथ्य का प्रमाण है कि भारत निरंतर गतिशील है। रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता ही इस उत्साह का स्रोत है। रेल मंत्रालय के अतिरिक्त सदस्य (पीयू) श्री सीताराम सिंकू ने कहा कि भारतीय रेल अपने डिब्बों, स्टेशनों, संकेत प्रणाली और दूरसंचार व्यवस्था को लगातार आधुनिक बना रही है। हम विश्वस्तरीय वायाडक्ट्स और गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों का निर्माण कर रहे हैं। बड़े पैमाने पर विद्युतीकरण और हरित तकनीकों के माध्यम से रेलवे को टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा रहा है। इस वर्ष की प्रदर्शनी में रेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, निजी क्षेत्र के अग्रणी उद्योगपति, रेलवे क्षेत्र के विशेषज्ञ और मीडिया प्रतिनिधि एक साझा मंच पर एकत्र होंगे। इस सम्मेलन का उद्देश्य आधुनिक तकनीकों- जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), हरित समाधान (Greef Solutiofs) को बढ़ावा देना, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSME) की भागीदारी को प्रोत्साहित करना और मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत देश की उत्पादन क्षमता को प्रदर्शित करना है।

कवच सम्बन्धी बैठक में महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर, अपर महाप्रबन्धक विनोद कुमार शुक्ल, प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर राजेश कुमार पाण्डेय के साथ कार्यकारी निदेशक/इरिसेट मुनि कुमार

आयुर्वेद वैश्विक क्षितिज पर स्थापित होने की ओर अग्रसर - डॉ. दया शंकर मिश्रा

गोरखपुर,: महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर की अध्यक्षता में महाप्रबन्धक सभाकक्ष, गोरखपुर में भारतीय रेल सिगनल इंजीनियरिंग एवं दूरसंचार संस्थान (इरिसेट- आई.आर.आई.एस.ई.टी.), सिकंदराबाद के कार्यकारी निदेशक श्री मुनि कुमार ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन एवं वीडियो फिल्म के माध्यम से कवच के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर अपर महाप्रबन्धक श्री विनोद कुमार शुक्ल, प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर श्री राजेश कुमार पाण्डेय, प्रमुख विभागाध्यक्ष, मंडलों के मंडल रेल प्रबन्धक, वरिष्ठ अधिकारी तथा आर.डी.एस.ओ. के अधिकारी उपस्थित थे। कार्यकारी निदेशक/इरिसेट श्री मुनि कुमार ने कहा कि कवच 4.0 वर्जन के अन्तर्गत कवच सिस्टम लगाने का कार्य किया जा रहा है। कवच में दो प्रमुख घटक हैं; पहला घटक- ऑन बोर्ड इक्यूपमेंट, जिसे लोको कवच भी कहा जाता है। इसमें वाइटल कम्प्यूटर, ब्रेक इंटरफेस यूनिट, ड्राइवर मशीन इंटरफेस, आर.एफ.आई.डी. रीडर, पल्स जेनरेटर एवं रेडियो एंटीना लगाये जाते हैं। दूसरा घटक- ट्रैक साइड, जो कि स्टेशनरी कवच यूनिट है, इसमें स्टेशन मास्टर ऑपरेशन कम इंडीकेशन पैनल, कंक्रीट स्लीपरों पर आर.एफ.आई.डी. टैग तथा 40 मीटर ऊँचे टॉवर एवं एंटीना लगाये जाने का कार्य किया जाता है। आर.एफ.आई.डी. टैग प्रत्येक 01 किमी. पर 01 सेट यानि कि 02 आर.एफ.आई.डी. टैग लगाये जाते हैं। स्टेशन यार्डों में हर सिगनल के लिये एफ.एफ.आई.डी. टैग लगाया जाता है। स्वदेशी रूप से विकसित कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (ए.टी.पी.) प्रणाली को पूर्वोत्तर रेलवे के 1,441 रूट किमी. पर लगाने का कार्य रेल मंत्रालय द्वारा रु. 492.21 करोड़ की लागत से स्वीकृत किया गया है। कवच के इंस्टालेशन को प्राथमिकता प्रदान करते हुये इसे पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल पर लखनऊ जं.-मानक नगर, लखनऊ जं.-मल्हौर, बाराबंकी जं.-बुढ़वल जं., सीतापुर सिटी-बुढ़वल जं. एवं बुढ़वल जं.-गोरखपुर कैंट; वाराणसी मंडल पर गोरखपुर कैंट-गोल्डिनगंज, गोरखपुर कैंट-वाल्मीकिनगर रोड, भटनी जं.-वाराणसी जं., वाराणसी जं.-प्रयागराज जं. एवं औंड़िहार जं.-छपरा जं.; तथा इज्जतनगर मंडल पर रावतपुर-फरुर्खाबाद जं., फरुर्खाबाद जं.-कासगंज जं. एवं कासगंज जं.-मथुरा जं. खंडों पर कवच का कार्य स्वीकृत है। प्रथम चरण में पूर्वोत्तर रेलवे के 558 रूट किमी. पर कवच लगाने का कार्य किया जायेगा, जिसमें लखनऊ मंडल के सीतापुर सिटी-बुढ़वल जं., बुढ़वल जं.-गोरखपुर कैंट, मानक नगर-लखनऊ जं.-मल्हौर एवं बाराबंकी-बुढ़वल जं.; तथा वाराणसी मंडल के गोरखपुर कैंट-गोल्डिनगंज खंड सम्मिलित हैं। इस रेलवे पर टॉवर कार्य एवं कवच उपकरण हेतु दो निविदाओं के माध्यम से कवच स्थापित करने का कार्य किया जायेगा। वर्तमान में मुख्य मार्ग छपरा-बाराबंकी में टॉवर लगाने का कार्य प्रगति पर है तथा गोरखपुर कैंट-छपरा ग्रामीण के मध्य टॉवर लगाने का निविदा दिया गया है। कवच उपकरण हेतु निविदा का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा इसे लगाने हेतु सर्वे का कार्य प्रगति पर है।

डॉ नितिका कोहली द्वारा आयुमंथन 4 वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया जिसमें आयुर्वेद के क्षेत्र में कार्य कर रहीं विभिन्न प्रतिभाओं और आवाजों को एकजुट कर हर घर और समुदाय में आयुर्वेद की प्रासंगिकता को उजागर करने का सफल प्रयास हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. दया शंकर मिश्रा (राज्य मंत्री, उत्तरप्रदेश, स्वतंत्र प्रभार, आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन) ने किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि आयुर्वेद सभी के लिए एक स्थायी और समग्र वैश्विक स्वास्थ्य समाधान है। वह दिन दूर नहीं जब आयुर्वेद भी योग की तरह वैश्विक क्षितिज पर लोकप्रिय हो जाएगा। विशिष्ट अतिथि डॉ. एस. एन. संखवार (निदेशक, इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी) ने बताया कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक भारत रत्न पं मदन मोहन मालवीय जी ने प्रतीत और प्राची के मेल को मूर्त रूप प्रदान करने की दृष्टि से आयुर्वेद महाविद्यालय की स्थापना की थी। बीएचयू का चिकित्सा विज्ञान संस्थान देश में पहला संस्थान है जहाँ दोनों विधाएँ एक ही छत के नीचे फल फूल रहे हैं। प्रख्यात आयुर्वेद त्वक रोग विशेषज्ञ डॉ नितिका कोहली द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में फैशन, प्रतिभा और ज्ञान प्रतियोगिताओं का सम्मिलन कियागया, जो आयुर्वेद चिकित्सकों, छात्रों और उत्साही लोगों के लिए एक मंचप्रदान करता है। इस दौरान नृत्य, कविता और गायन जैसी प्रस्तुतियाँ की गईं, और प्रमुख वक्ताओं के विचारोत्तेजक व्याख्यान हुए। यह कार्यक्रम, सशक्तिकरण एवं समग्र स्वास्थ्य के नए मानक स्थापित करता है। मनोरंजन के साथ-साथ इस अवसर पर आयुर्वेद चिकित्सा एवं शोध के क्षेत्र में कार्य कर रहे ख्याति लब्ध चिकित्सकों प्रो.(वैद्य) जी. एस. तोमर, वैद्य सुरेंद्र चौधरी, वैद्य राज साटपुते, वैद्य नितीन एवं वैद्य हेमा ने अपने विचार प्रस्तुत किए। उनके प्रभावशाली और रोचकव्याख्यानों ने कार्यक्रम की बौद्धिक समृद्धि को और बढ़ाया। इस अवसर पर प्रोफेसर तोमर ने वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में आयुर्वेद की भूमिका पर अपने विचार रखते हुए कहा कि जीवनशैली जन्य रोगों के लिए आयुर्वेद संजीवनी है। अपने शोध एवं चिकित्सा अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि बीजीआर - 34 नामक औषधि जहाँ डायबिटीज के रोगियों के लिए आशा की किरण साबित हो रही है वहीं नीरी के एफटी क्रोनिक किडनी डिसीजेज में डायलिसिस एवं किडनी ट्रांसप्लानटेशन की जरूरत से हजारों रोगियों को बचाने का कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम में सभी विद्वानों को ऐमिल के एमडी श्री के के शर्मा एवं संचित शर्मा ने अंगवस्त्रम् एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में देश के कोने कोने से आए हजारों चिकित्सकों ने प्रतिभाग किया।

2025 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की सुविधा हेतु अनेक विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में माह अक्टूबर के लिये 13 अक्टूबर, 2025 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है।

-छपरा से चलने वाली 05049 छपरा-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 17 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 715 बर्थ तथा 24 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 653 बर्थ उपलब्ध है।

-छपरा से चलने वाली 05305 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल पूजा विशेष गाड़ी में 16 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 804 एवं शयनयान श्रेणी में 212 बर्थ उपलब्ध है।

-छपरा से चलने वाली 04607 छपरा-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 20 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 536 बर्थ तथा 27 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 464 एवं शयनयान श्रेणी में 323 बर्थ उपलब्ध है।

-गोरखपुर से चलने वाली 05634 गोरखपुर-नारंगी पूजा विशेष गाड़ी में 17 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 700 बर्थ तथा 24 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 766 बर्थ उपलब्ध है।

-मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट पूजा विशेष गाड़ी में 16 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 92, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 323, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 117 एवं शयनयान श्रेणी में 64 बर्थ, 23 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 01 बर्थ, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 65, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 263 एवं शयनयान श्रेणी में 76 बर्थ उपलब्ध है।

-बढ़नी से चलने वाली 05005 बढ़नी-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 15 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 205 बर्थ, 22 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 205 बर्थ तथा 29 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 335 बर्थ उपलब्ध है।

-गोमती नगर से चलने वाली 05325 गोमती नगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी में 18 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 20, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 90 एवं शयनयान श्रेणी में 348 बर्थ उपलब्ध है।

-गोमती नगर से चलने वाली 05023 गोमती नगर-खातीपुरा पूजा विशेष गाड़ी में 28 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 19, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 96 एवं शयनयान श्रेणी में 256 बर्थ उपलब्ध है।

-मऊ से चलने वाली 05064 मऊ-कोलकाता पूजा विशेष गाड़ी में 15 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 26, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 96 एवं शयनयान श्रेणी में 47 बर्थ तथा 22 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 20, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 95 एवं शयनयान श्रेणी में 137 बर्थ उपलब्ध है।

-गोमती नगर से चलने वाली 05314 गोमती नगर-महबूबनगर पूजा विशेष गाड़ी में 19 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 415 बर्थ तथा 26 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 400 बर्थ उपलब्ध है।

-छपरा से चलने वाली 05115 छपरा-उधना पूजा विशेष गाड़ी में 17 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 12, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 73, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 247 बर्थ एवं शयनयान श्रेणी में 56 बर्थ उपलब्ध है।

-बनारस से चलने वाली 05047 बनारस-कोलकाता पूजा विशेष गाड़ी में 14 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 1198 बर्थ, 21 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 1221 बर्थ, 28 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 1265 बर्थ उपलब्ध है।

-बढ़नी से चलने वाली 05033 बढ़नी-बान्द्रा टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी में 20 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 155 बर्थ उपलब्ध है।

-गोरखपुर से चलने वाली 03132 गोरखपुर-सियालदह पूजा विशेष गाड़ी में 15 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 137 एवं शयनयान श्रेणी में 131, 17 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 98 एवं शयनयान श्रेणी में 197 बर्थ, 22 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 130 एवं शयनयान श्रेणी में 277 बर्थ, 24 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 141 एवं शयनयान श्रेणी में 214 बर्थ उपलब्ध है।

-गोरखपुर से चलने वाली 09112 गोरखपुर-वड़ोदरा पूजा विशेष गाड़ी में 20 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 16, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 73, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 348 तथा शयनयान श्रेणी में 306 बर्थ उपलब्ध है।

-गोरखपुर से चलने वाली 03528 गोरखपुर-आसनसोल पूजा विशेष गाड़ी में 18 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 74, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 345 बर्थ, शयनयान श्रेणी में 401 बर्थ तथा 25 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 78, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 340 एवं शयनयान श्रेणी में 401 बर्थ उपलब्ध है।

-गोरखपुर से चलने वाली 08630 गोरखपुर-रांची पूजा विशेष गाड़ी में 19 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 23, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 58 एवं शयनयान श्रेणी में 560 बर्थ तथा 26 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 20, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 62, शयनयान श्रेणी में 260 बर्थ उपलब्ध है।

-गोरखपुर से चलने वाली 03678 गोरखपुर-धनबाद पूजा विशेष गाड़ी में 20 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 69, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 92, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 398, शयनयान श्रेणी में 327 बर्थ तथा 27 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 72, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 96, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 402, शयनयान श्रेणी में 319 बर्थ उपलब्ध है।

-गोरखपुर से चलने वाली 05977 गोरखपुर-डिब्रूगढ़ पूजा विशेष गाड़ी में 16 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 424 बर्थ, 23 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 565 तथा 30 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 233 बर्थ उपलब्ध है।

-गोरखपुर से चलने वाली 04021 गोरखपुर-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी में 18 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 16, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 64, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 317, शयनयान श्रेणी में 234 बर्थ उपलब्ध है।

रेलवे चिकित्सालय गोंडा में स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए चिकित्सक

गोरखपुर: भारतीय रेल पर 01 से 15 अक्टूबर, 2025 तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के तेरहवें दिन

13 अक्टूबर, 2025 को मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों, कार्यालयों एवं रेलवे कालोनियों तथा विद्यालयों में स्वच्छता प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसका उद्देश्य विभिन्न इकाइयों के बीच स्वच्छता प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देना तथा स्वच्छता मानकों में निरंतर सुधार लाना एवं स्वच्छ जीवनशैली अपनाना है। 13 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों, कार्यालयों एवं रेलवे कालोनियों में स्वच्छ जीवनशैली अपनाने तथा विभिन्न इकाइयों के बीच स्वच्छता प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने हेतु स्वच्छता प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कर्मचारियों की भागीदारी एवं यात्रियों में नवाचार पर विशेष जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त उपमंडलीय रेलवे चिकित्सालय, गोंडा में कार्डियों पलमोनरी पुर्नजीवन कैम्प का आयोजन कर कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वाराणसी मंडल के आजमगढ़, वाराणसी सिटी, बनारस, बलिया, भटनी, बेलथरा रोड, छपरा, देवरिया सदर, गाजीपुर सिटी, मऊ, सुल्तानपुर, सीवान एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर स्वच्छता प्रतियोगिता आयोजित कर स्वस्थ्य कर्मियों को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान स्वच्छता अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण एवं कर्मचारियों को व्यक्तिगत स्वच्छता बनाये रखने हेतु जागरूक किया गया, जिसमें 130 रेलवे एवं संविदा कर्मचारियों ने भाग लिया। स्वास्थ्य निरीक्षकों ने स्टेशन पर कार्यरत रेलवे कर्मचारियों और संविदा कर्मचारियों के साथ मिलकर स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत के पोस्टर, बैनर तथा नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से एक जन जागरूकता रैली निकाली। इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता प्रतियोगिता आयोजित कर स्वस्थ्य कर्मियों, विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया एवं कर्मचारियों को व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया गया। इस दौरान स्वच्छ स्टेशन, स्वच्छ कोचिंग डिपो, स्वच्छ रनिंग रूम, स्वच्छ कार्यालय, स्वच्छ कालोनी तथा सांस्कृतिक एवं कला से सम्बंधित विभिन्न प्रकार के पुरस्कार प्रदान किये गये। रेलवे कर्मचारियों और संविदा कर्मचारियों द्वारा स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत के पोस्टर, बैनर के साथ एक जन जागरूकता रैली निकाली गई।

संक्षिप्त खबरें

पुण्यतिथि पर याद किए गए डॉ. राममनोहर लोहिया

बस्ती। समाजवादी आंदोलन के अग्रदूत डॉ. राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर रविवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा हुई। इस दौरान वक्ताओं ने डॉ. लोहिया के विचारों और योगदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया। जिलाध्यक्ष एवं विधायक महेंद्रनाथ यादव ने कहा कि डॉ. लोहिया ने आजाद भारत में सत्ता से सवाल पूछना सिखाया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजमणि पांडेय, विधायक राजेंद्र प्रसाद चौधरी, कविंद्र चौधरी, जावेद पिंडारी, मो. सलीम, आरडी निषाद, रामशंकर निराला समेत कई वक्ताओं ने कहा कि लोहिया भारतीय राजनीति में गैर-कांग्रेसवाद के शिल्पी थे, जिन्होंने जनहित के मुद्दों पर आजीवन संघर्ष किया।

लौह पुरुष सरदार पटेल की प्रतिमा का अनावरण 31 को

बस्ती। सरदार पटेल स्मारक संस्थान की बैठक रविवार को हुई। अध्यक्षता वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित चौधरी ने की। लौह पुरुष सरदार पटेल की जयंती मनाने का निर्णय लिया गया। संस्थान परिसर में स्थापित सरदार पटेल की प्रतिमा का लोकार्पण 31 अक्तूबर को भव्य समारोह के बीच कराने का निर्णय लिया गया। विधायक राजेंद्र प्रसाद चौधरी, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, पूर्व प्रमुख वीरेंद्र चौधरी, राजमणि चौधरी ने कहा कि सरदार पटेल स्मारक संस्थान निरंतर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। सरदार पटेल की प्रतिमा स्थापित हो जाने से नई पीढ़ी उनके जीवन से प्रेरणा लेगी। महामंत्री डॉ. सुरेंद्र प्रसाद चौधरी ने संस्थान के आय व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया। सभी सदस्यों ने इस पर सहमति जताई। बताया कि सरदार पटेल की प्रतिमा बनकर तैयार है। 31 अक्तूबर को उसका अनावरण मुख्य अतिथि द्वारा किया जाएगा। इं. विक्रम चौधरी की अध्यक्षता में पटेल जयंती पर आयोजित कार्यक्रम की सफलता के लिए समिति का गठन किया गया है। इस मौके पर रामजी चौधरी, इं. श्यामलाल चौधरी, भानुप्रताप चौधरी, श्यानरायन चौधरी, प्रेमचंद पटेल, गौरव चौधरी, रामकृपाल चौधरी, इं. राजेंद्र चौधरी, राकेश चौधरी आदि मौजूद रहे।

कोर्ट के आदेश पर चार के खिलाफ मारपीट का केस

बस्ती। सोनहा थाना पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर चार लोगों के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है। थाना क्षेत्र के रेंगी गांव निवासी बालगोपाल शुक्ल ने एसीजेएम तृतीय कोर्ट में वाद दायर किया था। प्रार्थी ने आरोप लगाया कि 5 मई को वह अपने गांव से बरगाह गांव बारात में गया था, जहां गांव के ही विपक्षी शुकन दूबे ने बिना किसी कारण के गाली-गलौच करते हुए उन्हें मारने का प्रयास किया और जान से मारने की धमकी दी। उसने बताया कि जब वह और उनके पिता मारकण्डेय शुक्ल विपक्षी के घर गए, तो विपक्षी राम जियावन, त्रियुगी और निखिल उर्फ गोलू ने उन्हें घेरकर मारपीट कर दी। सोनहा थाना प्रभारी निरीक्षक चंदन कुमार ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर चार नामजद आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बड़ेवन क्षेत्र में चार घंटे गुल रही बिजली

बस्ती। 132 केवी उपकेंद्र गिदही से पोषित बड़ेवन 33 केवी लाइन की रविवार को दिन भर मरम्मत हुई। लगभग आठ किमी की दूरी लाइन के किनारे छाएदार पेड़ों की टहनियों की कटिंग कराई गई। लाइन ट्रिपिंग रोकने के लिए सुरक्षा के अन्य उपाय भी किए गए। बड़ेवन क्षेत्र में दिन में चार घंटे तक बिजली बाधित रही। दुर्गा पूजा बीतने के बाद निगम ने लाइन मरम्मत, सुरक्षा, ट्रांसफार्मरों की मरम्मत का कार्य तेज कर दिया है। 11 बजे गिदही बिजली घर से शट डाउन लिया गया। दोपहर 3 बजे तक मरम्मत कार्य के चलते बड़ेवन उपकेंद्र से जुड़े दर्जन भर से अधिक मोहल्लों की आपूर्ति बाधित रही। पुराने इंसुलेटर, क्रॉस आर्म, जंपर, जर्जर तार आदि भी बदले गए हैं। एक्सईएन विद्युत वितरण खंड प्रथम शुभम पांडेय ने बताया कि मरम्मत कार्य से उपभोक्ताओं को थोड़ी बहुत परेशानी हुई है। लेकिन, इससे लोकल फाल्ट की समस्या कम हो जाएगी।

धर्म की हानि होने पर भगवान मानव रूप में लेते हैं अवतार

कलवारी। कुदरहा क्षेत्र के कोरमा गांव में नौ दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन रविवार को वाराणसी से आए भागवत कथा मर्मज्ञ पंडित प्रहलादाचार्य ने भगवान श्रीकृष्ण जन्म की कथा सुनाई। कहा कि जब-जब पृथ्वी पर धर्म की हानि हुई है, तब-तब भगवान धरती पर किसी न किसी रूप में अवतरित हुए हैं। प्रहलादाचार्य ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपने भक्तों का उद्धार और पृथ्वी को दैत्य शक्तियों से मुक्त कराने के लिए अवतार लिया। उन्होंने कहा कि जब अत्याचारी कंस के पापों का बोझ पृथ्वी सहन नहीं कर पा रही थी और पापों से धरती डोलने लगी थी, तब सभी देवता ब्रह्माजी और शिव के साथ क्षीर सागर में भगवान की स्तुति करने लगे। इस पर भगवान श्री हरि ने प्रसन्न होकर देवताओं को बताया कि वे वासुदेव और देवकी के घर कृष्ण रूप में जन्म लेंगे और वृंदावन में मां यशोदा और नंदबाबा के घर बाल लीलाएं करेंगे। प्रहलादाचार्य ने आगे बताया कि सात संतानों के बाद जब देवकी गर्भवती हुई, तो उसे अपने संतान की मृत्यु का भय सता रहा था, लेकिन भगवान की लीला के अनुसार जन्म लेते ही जेल के सभी बंधन टूट गए और भगवान श्रीकृष्ण गोकुल पहुंच गए। कथा के दौरान संजय ओझा, भारत भूषण ओझा, हीरालाल ओझा, आचार्य शुभम त्रिपाठी, मुरलीधर दूबे, विशाल ओझा, राजाराम चौरसिया, राम ध्यान चौरसिया, हरिश्चंद्र राजभर, हरीराम शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राम वनगमन का जीवंत मंचन देख छलकीं आंखें

छावनी। शक्तिपुर गांव में चल रही रामलीला में शनिवार की रात राम वनगमन का मंचन हुआ। कलाकारों के जीवंत अभिनय ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। सबकी आंखें नम हो गईं। राम के वन जाने का दृश्य इतना मार्मिक था कि पूरा पंडाल भावनाओं से सराबोर हो उठा। लीला की शुरूआत राजा दशरथ श्रीराम के राजतिलक की घोषणा करते हैं। यह सुनकर अयोध्यावासी उल्लास से झूम उठते हैं और मंगल गीतों से पूरा वातावरण गूंज उठता है। लेकिन इसी बीच मंथरा इस बात को सुनते ही कैकेयी के पास पहुंचती है और उसे भड़काती है। वह कैकेयी को याद दिलाती है कि यही उचित समय है जब वह दशरथ से अपने दो वर मांग सकती है। मंथरा की बातों से प्रभावित होकर कैकेयी कोप भवन चली जाती है। राजा दशरथ वहां पहुंचते हैं और कारण पूछते हैं। कैकेयी अपने पुराने दो वर मांगती है-भरत को राजगद्दी और राम को चौदह वर्ष का वनवास। यह सुनकर राजा दशरथ मर्माहत हो जाते हैं।

हार्दिक ने गर्लफ्रेंड माहिका के साथ मनाया जन्मदिन, समंदर किनारे की रोमांटिक तस्वीरें साझा कीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। हार्दिक और माहिका के रिलेशनशिप की खबरें पिछले कुछ महीनों से चर्चा में थीं, लेकिन अब यह जोड़ी सोशल मीडिया पर ऑफिशियल होती दिख रही है। टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने 11 अक्तूबर को अपना 32वां जन्मदिन अपनी नई गर्लफ्रेंड माहिका के साथ मनाया। एशिया कप 2025 जीत के बाद छुट्टियों के मूड में दिख रहे हार्दिक ने इंस्टाग्राम पर अपनी बीच वेकेशन की कुछ रोमांटिक तस्वीरें और वीडियोज शेयर कीं, जिन्हें देखकर फैंस दीवाने हो गए। बताया जा रहा है कि यह जश्न मालदीव के एक प्राइवेट बीच रिसॉर्ट में हुआ, जहां हार्दिक और माहिका ने एकांत और सुकून भरे माहौल में जन्मदिन मनाया। हार्दिक और माहिका के रिलेशनशिप की खबरें पिछले कुछ महीनों से चर्चा में थीं, लेकिन अब यह जोड़ी सोशल मीडिया पर ऑफिशियल होती दिख रही है।

संक्षिप्त समाचार

गुरु रामदास का प्रकाश पर्व मनाया

ग्वालियर। गुरु के नगर अमृतसर को बसाने वाले और सिख धर्म के चौथे गुरु रामदास का प्रकाश पर्व रविवार को भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर फूलबाग स्थित गुरुनानकदेव गुरुद्वारा में विशेष कीर्तन दीवान सजाए गए, जहां रागी जत्थों ने शबद कीर्तन कर संगत को निहाल किया। गुरुद्वारा पहुंची संगत ने गुरुग्रंथ साहिब के आगे मत्था टेका। इस मौके पर शबद कीर्तन का आयोजन हुआ। सुबह 8.30 बजे अखंड पाठ साहिब की समाप्ति के पश्चात मुख्य ग्रंथी ज्ञानी जतिंदर सिंह ने कथा व हजूरी रागी जसप्रीत सिंह ने कीर्तन गायन कर गुरु रामदास की वाणी का व्याख्यान किया। गुरुद्वारा शीशगंज दिलली से आए ज्ञानी अंग्रेज सिंह ने कथा वाचन कर गुरु रामदास की जीवनी और उनके योगदान के बारे में बताया।

साहित्यकारों ने किया कविता पाठ

ग्वालियर। मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा द्वारा मासिक युवा साहित्यकार गोष्ठी का आयोजन दौलतगंज स्थित साहित्य सभा भवन में किया गया। जिसका संचालन युवा कवि गौरव सिंह बघेल ने किया। गोष्ठी के मुख्य अतिथि शैलेंद्र सिंह गुर्जर (जिला महामंत्री, भाजपा ओबीसी मोर्चा) रहे, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विवेक सिंह रावत(जिला उपाध्यक्ष, भाजपा), संयोजक करुणा सक्सेना (जिला महामंत्री) जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. कुमार संजीव (अध्यक्ष, अखिल भारतीय साहित्य परिषद) ने की। कार्यक्रम में साहित्य मंत्री मन्दाकिनी शर्मा, युवा प्रतिनिधि सुश्री अंजलि चौरसिया तथा सह संयोजक शिवम सिंह सिसौदिया रहे। गोष्ठी में विकास बघेल, हिमांशु शर्मा, गोविन्द भदौरिया, अनुभवी शर्मा, अंकुर चौरसिया, प्रथम बघेल, शुभम जैसवाल, धीरज आदि मौजूद थे।

आरटीआई अधिनियम का श्रेय कांग्रेस को

ग्वालियर। कांग्रेस ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम की 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर इसका श्रेय यूपीए सरकार की मुखिया सोनिया गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को दिया। पत्रकार वार्ता में शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने कहा कि यह जनता को सशक्त बनाने वाला ऐतिहासिक कानून है। जिसने शासन को जवाबदेह और पारदर्शी बनाने की दिशा में नई क्रांति लाई। प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा, महाराज सिंह पटेल, राम पांडे मौजूद रहे।

'जीवन में आत्मचिंतन आवश्यक'

ग्वालियर। संत कंवरराम की कुटिया रथखाना माधौगंज पर संत कंवराराम का 67 वां तीन दिवसीय बरसी महोत्सव देर रात्रि सतना से आए संत किशोरलाल के द्वारा पल्लव पाकर संपन्न हुआ। इससे पूर्व दोपहर 12 बजे साईं किशोरलाल के सानिध्य में गुरुग्रंथ साहिब के सहज पाठ के भोग का कार्यक्रम गुरुनानक गुरुद्वारा गोरखी के भाई जय नागरानी द्वारा किया गया। तत्पश्चात आम भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें नगर प्रतिष्ठित संस्थाओं के पदाधिकारी गण भी सम्मिलित हुए। श्रीचंद पंजाबी व निखिल तेजवानी ने बताया कि पाठ साहिब के भोग के अवसर पर प्रवचन करते हुए साईं किशोरलाल ने कहा कि हमें अपने जीवन में आत्मचिंतन अवश्य करना चाहिए कि हम किसी के साथ बुरा करते हैं तो हमारे साथ आज नहीं तो कल बुरा अवश्य होगा।

'भारतीय संस्कृति और राष्ट्रवाद की प्रतीक थीं राजमाता'

जयंती पर भाजपा नेताओं ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

■ ग्वालियर

अम्मा महाराज की छत्री, कटोराताल मार्ग पर रविवार को कै. राजमाता विजयाराजे सिंधिया की जयंती पर भजनांजलि एवं पुष्पांजलि का आयोजन किया गया। भाजपा नेताओं एवं गणमान्यजनों ने राजमाता को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर वक्ताओं ने उन्हें भारतीय संस्कृति, राष्ट्रवाद और सेवा भाव की सजीव प्रतीक बताया।

वक्ताओं ने कहा राजमाता ने अपना संपूर्ण जीवन समाज, संगठन और राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित किया। राजमाता जी ने दीपक को प्रकाशवान करने के लिए अपना बहुत कुछ समर्पित किया। राजमाता, राजनेताओं का अक्सर सलाह दिया करती थीं कम बोलो और कम खाओ। इस आदत से आप लोगों की राजनीति भी ठीक तरह से चलती रहेगी और आपकी सेहत भी ठीक बनी रहेगी तब आप संगठन सेवा और राष्ट्रसेवा कर पाएंगे। कार्यक्रम में सांसद भारत सिंह कुशवाहा, पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, संत संतोष गुरुजी, संत कृपालसिंह महाराज, संत रमेशलाल दादाजी ने राजमाता को शब्दांजलि दी। पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में पूर्व सांसद अशोक अर्गल, प्रियदर्शिनी राजे सिंधिया, ग्रामीण जिलाध्यक्ष प्रेमसिंह राजपूत, पूर्व मंत्री ध्यानेंद्र सिंह, मायासिंह, समीक्षा गुप्ता, रमेश अग्रवाल, रामबरन सिंह गुर्जर, महेंद्र सिंह यादव, अशोक शर्मा, कमल माखीजानी, जवाहर प्रजापति, यशवर्धन जैन, हरीश मेवाफरोश, रामेश्वर भदौरिया, पारस जैन, जितेंद्र सिंह गुर्जर, राजेश दुबे, सुरेंद्र शर्मा, हरी पाल, विनय जैन, विनोद शर्मा, राजू पलैया, अशोक जैन, विवेक जोशी, अमर कुटे, विशाल जैन आदि शामिल थे। संचालन संदीप जैन ने किया।

वीआईएसएम में राजमाता को किया नमन

वीआईएसएम में राजमाता विजयाराजे सिंधिया की 106वीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। संस्थान के चेयरमैन डॉ. सुनील राठौर ने कहा कि राजमाता केवल राजनीतिक व्यक्तित्व नहीं थीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सेवा और राष्ट्रभक्ति की प्रतीक थीं। उन्होंने अपने जीवन को समाजसेवा, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण को समर्पित किया। वीआईएसएम संस्थान उनके आदर्शों पर चलते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सेवा को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने बताया कि वीआईएसएम हॉस्पिटल राजमाता के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक नि:शुल्क ओपीडी चला रहा है, जहां अनुभवी चिकित्सक मरीजों को परामर्श देते हैं। इस अवसर पर संस्थान की चेयरपर्सन सरोज राठौर, ग्रुप निदेशक डॉ. प्रज्ञा सिंह, समाजसेवी संतोष सिकरवार और ऋषभ सिंह राठौर उपस्थित रहे।

ढाई लाख से अधिक बच्चों को पिलाई जीवनरक्षक बूंदें

जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

■ ग्वालियर

जिले में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में रविवार को हुआ। अभियान के पहले ही दिन जिलेभर में 2 लाख 67 हजार 367 बच्चों को पोलियो की जीवनरक्षक बूंदें पिलाई गईं।

मुख्य कार्यक्रम थाटीपुर डिस्पेंसरी में हुआ, जहां ज्वाइंट डायरेक्टर हेल्थ ग्वालियर संभाग डॉ.बीएस सेतया, सीएमएचओ डॉ. सचिन श्रीवास्तव, राज्य कार्यक्रम अधिकारी यूएनडीपी डॉ. कपिल जादौन, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रामकुमार गुप्ता, डॉ. एमएस राजावत और डॉ.स्वेच्छा दंडौतिया की मौजूदगी में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर अभियान की शुरुआत की गई।

अभियान के शुभारंभ के बाद स्वास्थ्य अधिकारियों ने थाटीपुर डिस्पेंसरी में कोल्ड चैन सिस्टम का निरीक्षण किया। इस दौरान डीप फ्रीजर की डीप फ्रॉस्ट प्रक्रिया और तापमान नियंत्रण की जानकारी ली गई। साथ ही बूथों पर वितरित की जा रही वैक्सीन की स्थिति और स्टाफ की तैनाती की समीक्षा भी की गई।

वहीं जिला अस्पताल मुरार में पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल ने पोलियो बूथ का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. आरके शर्मा, डॉ. राजेश बिरथरिया और जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रामकुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

सिविल अस्पताल हजीरा में पार्षद अनीता रत्नाकर और संस्था प्रभारी डॉ. प्रशांत नायक ने पल्स पोलियो बूथ का उद्घाटन किया।

अभियान में यह होंगी गतिविधियां

- 3.27 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की दवा।
- पल्स पोलियो अभियान 14 अक्टूबर तक जिलेभर में चलेगा।
- इस कार्य के लिए 2,355 दल, 243 सुपरवाइजर और 4,710 स्वास्थ्यकर्मी तैनात किए गए हैं।
- प्रत्येक विकासखण्ड व शहरी क्षेत्र के लिए जिला स्तरीय पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं।
- अभियान के अंतर्गत 13 और 14 अक्टूबर को स्वास्थ्य दल घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगे, ताकि कोई भी बच्चा खुराक से वंचित न रहे।

हर बच्चे तक पहुंचे जीवनरक्षक बूंद

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान का लक्ष्य जिले के हर बच्चे तक जीवनरक्षक दवा पहुंचाना है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को अवश्य पोलियो की खुराक दिलवाएं, ताकि ग्वालियर जिला पूर्ण रूप से पोलियो मुक्त बना रहे।

बिना पर्चे के दवा बेचने पर होगी तीन माह की सजा

सीएमएचओ की मेडिकल स्टोर संचालकों को चेतावनी

■ ग्वालियर

मेडिकल स्टोर्स पर फार्मासिस्ट या चिकित्सक के पर्चे के बिना दवा बेचना गैर कानूनी है। अगर कोई मेडिकल संचालक इस नियम का उल्लंघन करते पाया गया तो उसे तीन माह की सजा, दो लाख रुपए तक का जुर्माना या दोनों दंड दिए जा सकते हैं। साथ ही मेडिकल स्टोर का लाइसेंस भी निरस्त किया जा सकता है।

यह चेतावनी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने जिले में संचालित सभी मेडिकल स्टोर संचालकों को दी है। उन्होंने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि कोई भी मेडिकल स्टोर संचालक पंजीकृत फार्मासिस्ट की उपस्थिति के बिना दवाइयों की बिक्री नहीं करेगा।

उन्होंने कहा कि फार्मासिस्ट की भूमिका सिर्फ औपचारिक नहीं, बल्कि मरीज की सुरक्षा से जुड़ी होती है। बिना प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा दवाओं का वितरण मरीजों के जीवन के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। सीएमएचओ ने ड्रग इंस्पेक्टर को भी निर्देश दिए हैं कि वह नियमित रूप से मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण करें और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करें।

18 शिक्षकों को मिला डॉ. भगवानदास शिक्षक सम्मान

■ ग्वालियर

अग्र सेवा संस्थान द्वारा जीवाजी क्लब में रविवार को अग्रवाल समाज के 18 शिक्षकों का भारत रत्न डॉ. भगवानदास शिक्षक सम्मान से विभूषित किया गया। मुख्य अतिथि मुकेश अग्रवाल थे। अध्यक्षता अशोक गुप्ता ने की। संचालन उपाध्यक्ष श्रीराम गोयल ने किया।

कार्यक्रम का प्रारंभ माता महालक्ष्मी जी तथा अग्रवंश संस्थापक महाराजा अग्रसेन के चित्र पर माल्यार्पण एंव ज्योति जलाकर किया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. अरविन्द मित्तल ने अतिथि परिचय दिया। मुख्य अतिथि मुकेश अग्रवाल ने आयोजन को अनूठा बताते हुए कहा कि अग्रवाल समाज के ऐसे कार्यक्रमों से समाज को प्रेरणा मिलेगी। स्वागत भाषण कार्यक्रम संयोजक श्यामसुंदर अग्रवाल ने दिया। महिला अध्यक्ष नीलम गर्ग ने सम्मानित शिक्षकों को गाय के गोबर की माला से स्वागत किया। अध्यक्षता कर रहे अशोक गुप्ता ने इस कार्यक्रम को नया प्रयोग बताते हुए भविष्य में बड़े स्तर पर इस तरह के आयोजन की बात कही। आभार मुकेश अग्रवाल ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में महेंद्र, रविशंकर, दिनेश, विपिन खेतान,रवि गुप्ता, रविशंकर,पी सी गुप्ता,अनिल गर्ग, सीताराम गर्ग, प्रोफेसर डॉ मनोज बंसल, प्रोफेसर रामगोपाल अग्रवाल, राजीव कंसल, डॉ नरेन्द्र गर्ग, प्रतिभा गुप्ता, सुधा अग्रवाल, लक्ष्मी अग्रवाल,ज्योति गुप्ता, भारती गुप्ता,डॉ मंजुला सिंघल, डॉ. वाणी अग्रवाल, डॉ अर्चना कंसल, कल्पना अग्रवाल, सरोज अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

अधिवक्ता के घर लगाए सीसीटीवी कैमरे

सीमाएं सील कर होगी निगरानी

■ ग्वालियर

शहर के सौहार्दपूर्ण वातावरण को इस बार किसी ने भी बिगाड़ने का प्रयास किया उससे सख्ती से निपटा जाएगा। पुलिस प्रशासन एक्शन के मोड में है और चप्पे-चप्पे की निगरानी की जा रही है। 40 पॉइंटों पर चेकिंग की जाएगी। साथ ही शहर की सीमाएं भी सील की जाएंगी। सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद करने के लिए बाहर की चार कम्पनियों ने शहर में आमद दे दी है। अधिवक्ता के घर पुलिस पहरा बैठा दिया गया है और सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह का कहना है कि पुलिस प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। लोगों से त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए बस्तियों में जाकर सम्पर्क किया जा रहा है। लगातार पुलिस पैदल गश्त करने के अलावा सोमवार से शहर और आसपास के क्षेत्रों में 40 पॉइंटों पर चेकिंग करेगी। शहर की सीमाएं सील की जाएंगी। बाहर से चार कम्पनियों के छह सौ के करीब जवान शहर में आमद दे चुके हैं। होटल, लॉज, रेस्टारेंट, धर्मशाला और गेस्ट हाउस में दस्तावेजों की जांच करने के बाद ही ठहरने दिया जाएगा। ढाबा संचालकों को सख्त हिदायत दी गई कि किसी को भी वह अनावश्क रुप से अपने यहां पर रुकने नहीं दें। संवेदनशील क्षेत्रों को चिन्हित कर लिया गए हैं। बस्तियों में लोगों से लगातार बैठक कर सम्पर्क किया जा रहा है। वर्ष 2018 उपद्रव में शामिल लोगों को सूचीबद्ध कर उनको चेक किया जा रहा है। अधिवक्ता अनिल मिश्रा के घर पुलिस बल लगाने के साथ सीसीटीवी लगाए गए हैं।

सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले होंगे बाउंडओवर

अभी हाल में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट वायरल करने वालों को नोटिस जारी किए गए हैं। एसडीएम के यहां पर से सभी को बाउंडओवर कराया जाएगा। बाउंडओवर के बाद भी कोई हरकत करता है तो उसे धारा 122 में जेल भेजा जाएगा।

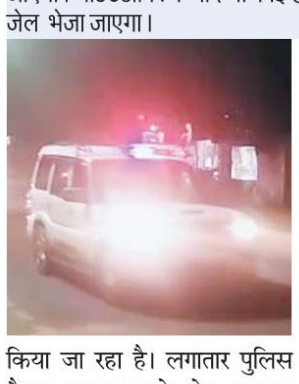

कला वीथिका में सिक्कों और ऐतिहासिक वस्तुओं को देखा

■ ग्वालियर

ग्वालियर की समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से ग्वालियर कॉइन्स एंड कलेक्टिबल्स क्लब द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी संपदा का समापन कला वीथिका पड़ाव में हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर, भारतीय डाक विभाग में एसएसपी एके सिंह एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद की उपाध्यक्ष श्रीमती करुणा सक्सेना शामिल हुईं।

प्रदर्शनी के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों, विद्यार्थियों, इतिहास प्रेमियों और शोधार्थियों ने भ्रमण कर ग्वालियर तथा भारत के इतिहास को करीब से जानने का अवसर प्राप्त किया। इस प्रदर्शनी में

सिक्कों, नोटों और अन्य दुर्लभ ऐतिहासिक वस्तुओं के माध्यम से भारत और ग्वालियर राज्य के 2600 वर्षों के समृद्ध इतिहास को आकर्षक और जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया।

मुख्य रूप से क्लब के अभय अग्रवाल, वैभव शर्मा, एवं शिवांश अरोरा द्वारा संग्रह प्रदर्शित किया गया। इनमें 1540 से 2025 तक रुपये के विकास का इतिहास दिखाया गया।

जरूरतमंदों की सेवा कर रही रोटरी : सिंधिया

ग्वालियर। रोटरी 120 साल से पूरे विश्व में संकल्पित होकर मानव सेवा कर रही है और विश्व से पोलियो को समाप्त करने के लिए रोटरी का कार्य प्रशंसनीय है। सेवा के क्षेत्र में रोटेरियन अग्रणी भूमिका निभाते हैं और यही कारण है कि मार्च 2026 में सभी रोटेरियन एवं चिकित्सक मिलकर रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन का आयोजन शिवपुरी में करेंगे, जिससे आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों को लाभ होगा। यह बात केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रोटरी क्लब के सेवा अनवरत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की आसंदी से कही। एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि आजादी से पहले ग्वालियर में स्थापित रोटरी क्लब 80 वर्ष से ग्वालियर अंचल के जरूरतमंद व्यक्तियों की सेवा कर रहा है। रोटरी क्लब ग्वालियर ने 8वें प्रांतपाल के रूप में प्रदीप पाराशर का चयन करना हम सबके लिए गौरव और प्रसन्नता की बात है।

दिवाली विशेष प्रदर्शनी में स्वदेशी उत्पाद

■ ग्वालियर

दीपावली के अवसर पर रंगमहल गार्डन में यू-वती मंच द्वारा आयोजित दिवाली विशेष प्रदर्शनी में नारी शक्ति, सृजनशीलता और स्वदेशी संस्कृति का सुंदर संगम देखने को मिल रहा है।

11 से 13 अक्तूबर तक चल रही इस प्रदर्शनी में 50 से अधिक स्थानीय महिला उद्यमियों ने अपने हस्तनिर्मित उत्पाद, ऑर्गेनिक सौंदर्य उत्पाद, पारंपरिक परिधान, गृह सज्जा सामग्री और दीपावली डेकोर वस्तुएं प्रदर्शित की हैं। यह आयोजन लोकल फॉर वोकल की भावना से प्रेरित है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और स्थानीय कारीगरों को सशक्त मंच प्रदान करना है। प्रदर्शनी में दीप शक्ति नैचुरल का शुद्ध और केमिकल-फ्री स्वदेशी उत्पादों वाला स्टॉल भी विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

दक्षिण विधानसभा का सम्मेलन

भाजपा ने गिनाए जीएसटी सुधार के फायदे

■ ग्वालियर

भारतीय जनता पार्टी महानगर द्वारा जीएसटी सुधार और आत्मनिर्भरता को लेकर ग्वालियर दक्षिण विधानसभा में व्यापारी एवं प्रबुद्धजन सम्मेलन का आयोजन रविवार को गोयल वाटिका में किया गया। मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा एवं विशेष अतिथि पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर थे। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने की।

श्री कुशवाहा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जीएसटी दरों में कटौती से रोजमर्रा की लगभग 375 वस्तुओं

की कीमतें सस्ती हुई हैं, जिससे आम जनता को सीधी राहत मिली है। आत्मनिर्भर भारत का अर्थ केवल देश में उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि देश की आत्मा स्वदेशी भावना को जागृत करना है। उन्होंने कहा कि जब हम लोकल को अपनाते हैं, तो हम अपने देश की मिट्टी, परिश्रम और संस्कृति को सम्मान देते हैं। पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जनता को दीपावली के अवसर पर एक उपहार दिया गया है। इससे मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बढ़ी है। केंद्र सरकार का यह निर्णय सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र को सिद्ध करता है। संयोजक अजय सिंघल ने कार्यकर्ताओं को जीएसटी से संबंधित तकनीकी जानकारी दी। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्षद्वय अभय चौधरी, कमल माखीजानी, राजेश दुबे, समीक्षा गुप्ता, रवींद्र सिंह राजपूत, राकेश माहौर, राघवेन्द्र शर्मा, सीपी मिश्रा, नीलिमा शिंदे, कनवर मंगलानी, विनय जैन, विनोद शर्मा, राजू पलैया सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। संचालन रामेश्वर भदौरिया ने एवं आभार नीलिमा शिंदे ने व्यक्त किया।

रामलीला में सिंधिया ने की आरती

■ ग्वालियर

श्री रामलीला मंडल की मुरार में आयोजित रामलीला में रविवार को लंका दहन लीला का मंचन किया गया। लंका दहन लीला में हनुमान जी द्वारा सौ योजन पार कर लंका पहुंचना।

माता सीता की खोज, अशोक वाटिका में माता सीता से मिलना और प्रभु श्रीराम का सन्देश देने की लीला का मंचन किया गया। इसके बाद लंका दहन का मंचन किया गया। इस अवसर पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की आरती केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने की। इस अवसर पर रामलीला मंडल मुरार के अध्यक्ष धर्मेंद्र राणा, बैजनाथ सिंह घुरैया, निर्देशक अखिलेश उपाध्याय, विकास उपाध्याय, अनिल जैन, निरंजन गुर्जर आदि मौजूद थे। रामलीला में सोमवार को अंगद रावण संवाद लीला का मंचन होगा।

बिजली चोरी के 90 मामले पकड़े

भितरवार। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने छापेमार कार्रवाई कर स्मार्ट मीटर से छेड़छाड़, सर्विस केवल लाइन में कट कर अवैध विद्युत चोरी के अलावा अवैध रूप से बिना कनेक्शन लिए विद्युत चोरी किए जाने के 90 मामले पकड़े। कंपनी के उप महाप्रबंधक नितिन कुमार छिपा के निर्देशन में ग्वालियर वित्त के 16 नंबर अधिकारी द्वारा भितरवार वितरण केंद्र प्रबंधक विजय सिंह चौहान, उप प्रबंधक सौरभ सिंह भदौरिया आदि ने क्षेत्र में छापेमारी कार्रवाई की।

सम्पादकीय

बड़े उद्योगों की जवाबदेही

लगातार ग्लोबल वार्मिंग संकट से जूझती दुनिया में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर नियंत्रण की दिशा में भारत सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता जतायी है। केंद्र सरकार के गत सप्ताह की शुरूआत में अधिसूचित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन तीव्रता लक्ष्य नियम, भारत में औद्योगिक प्रदूषण और पर्यावरणीय क्षरण रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम कहा जा रहा है। इन नियमों ने कार्बन-प्रधान उद्योगों के लिये देश के पहले कानूनी रूप से बाध्यकारी उत्सर्जन न्यूनतम करने के लक्ष्य निर्धारित किए हैं। ऐसे में, जो उत्पादन इकाइयां अपने निर्धारित लक्ष्य से कम कार्बन का उत्सर्जन करती हैं, वे व्यापार योग्य कार्बन क्रेडिट प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकती हैं। वहीं दूसरी ओर निर्धारित लक्ष्य से अधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाली इकाइयों को भारतीय कार्बन बाजार से समतुल्य क्रेडिट खरीदना होगा या फिर जुमार्ना देने को बाध्य होना होगा। दरअसल, एल्युमीनियम, सीमेंट, लुगदी एवं कागज आदि क्षेत्रों की 282 औद्योगिक इकाइयों को 2023-24 के आधार रेखा स्तर से अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि पहले अनुपालन चक्र में कुछ बड़ी कंपनियां शामिल हैं, जिसमें वेदांता, हिंडाल्को, नाल्को और बाल्को द्वारा संचालित एल्युमीनियम स्मेल्टर और अल्ट्राटेक, डालमिया, जे.के सीमेंट,श्री सीमेंट और एसीसी के स्वामित्व वाले बड़े सीमेंट संयत्र शामिल हैं। निश्चित रूप से केंद्र सरकार ने एक सख्त संदेश दिया है कि बड़े औद्योगिक घरानों को हरित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये अनुकरणीय उदाहरण पेश करना होगा। यदि ये ताकतवर बड़े घराने हरित लक्ष्यों की पूर्ति के लिये सार्थक पहल करते हैं तो आम लोगों को भी उससे प्रेरणा मिलेगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जक देश है। जिसमें चीन पहले और अमेरिका दूसरे स्थान पर है। निस्संदेह, नये नियम, जो उद्योगों को उत्सर्जन कम करने के लिये प्रोत्सहित करते हैं, उनके औद्योगिक प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार ऊर्जा दक्षता योजना पर आधारित हैं। जिसने ऊर्जा-बचत के लक्ष्य निर्धारित किए। वहीं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जिसे दंड लगाने और समयबद्ध निगरानी व वसूली का काम सौंपा गया है, को कानूनी ढांचे के अनुसार सख्ती से कार्य करने की आवश्यकता है। इस बाबत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को बड़े औद्योगिक दिग्गजों के प्रतिरोध के लिये पूरी तरह तैयार रहना चाहिए। यह बात उत्साहजनक है कि भारत ने इस वर्ष पहली छमाही में पहले से कहीं अधिक सौर और पवन ऊर्जा का उत्पादन किया। जबकि इस अवधि के दौरान भारत के बिजली क्षेत्र में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में साल-दर-साल आधार पर एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। मानवीय गतिविधियों से निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसों को जलवायु परिवर्तन का सबसे अहम कारक माना जाता है। हमारा देश, जिसने इस वर्ष ही जलवायु प्रभाव संबंधी आपदाओं की बाढ़ देखी है, को स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिये युद्ध स्तर पर प्रयास करना चाहिए। निस्संदेह, सतत विकास - जलवायु के प्रति संवेदनशीलता कार्बन-तटस्थ भविष्य की ओर बढ़ने के अनुरूप होना चाहिए।

धौंस-धमकान की नीति ट्रंप के लिए होगी आत्मघाती

शांति के नोबल पुरस्कार का ट्रंप का सपना धरा का धरा ही रह गया है और अब 30 प्रतिशत टैरिफ के अतिरिक्त 100 प्रतिषत और यानी कि 130 प्रतिशत टैरिफ लगाकर चीन के खिलाफ भी आर्थिक क्षेत्र में खुली जंग ही छेड़ दी है। धमकाने और धौंस की नीति पर चल रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी झूठी चौधराहट और खनिजों के चक्कर में लगता है दुनिया के देशों में अमेरिकी विरोधियों की बड़ी फौज ही तैयार करते जा रहे हैं। शांति के नोबल पुरस्कार का ट्रंप का सपना धरा का धरा ही रह गया है और अब 30 प्रतिशत टैरिफ के अतिरिक्त 100 प्रतिषत और यानी कि 130 प्रतिशत टैरिफ लगाकर चीन के खिलाफ भी आर्थिक क्षेत्र में खुली जंग ही छेड़ दी है। कनाडा को अमेरिका का नया राज्य बनाने और रुस यूक्रेन युद्ध के पीछे के अमेरिकी एजेंडे को आज दुनिया क देश समझ ही चुके हैं। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष के साथ डिनर के माध्यम से अमेरिका के गिरते स्तर को दुनिया क देश देख ही चुके हैं। भारत जैसे देश से पंगा लेना सबके सामने हैं। पाकिस्तान पर भी खनिजों के चक्कर में डोरे ड़ाले जा रहे हैं। देखा जाए तो ट्रंप का रवैया जिस तरह का दूसरी बार सत्ता संभालने के बाद देखने को मिल रहा है वह गली मौहल्ले के गुंडे मवाली जैसा ही दिखाई देने लगा है। दुनिया के देशों को धमकाना जैसे ट्रंप का काम ही हो गया हो। दुनिया के देशों में युद्ध समाप्त कराने का झूठा तमगा पहनने के प्रयास और शांति के नोबल पुरस्कार के लिए नोबल संस्था तक को धमकाने के कुत्सित प्रयास से ट्रंप स्वयं और अमेरिका दोनों की ही हेठी कराने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं। चीन से पहले भारत पर भी 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने और वीजा नियमों में बदलाव से अपने ही पांवों में ठोकर मारी है। हालांकि भारत किसी भी तरह के ट्रंप के दबाव में नहीं आया और सबसे बड़ी तोहिन तो यह रही कि भारत ने इस पर प्रतिक्रिया तक व्यक्त करने की जेहमत नहीं उठाई जिसके कारण अमेरिका का तमतमाना लाजिमी भी हो जाता है। अमेरिका ने भारत पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद सोचा था कि भारत घुटनों के बल आ जाएगा पर हुआ इसका उल्टा ही और भारत ने नये बाजार की संभावनाएं तलाशना आंरभ कर दिया। आर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि अब चीन पर अमेरिकी टैरिफ वार का लगता है भारत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और भारत की निर्यात की संभावनाओं को पर लगने के अधिक आसार हो जाएंगे। स्वाभाविक है चीन के उत्पाद महंगे हो जाएंगे और भारतीय उत्पाद कपड़ा, हैण्डिक्राफ्ट, खिलौने आदि आदि तुलनात्मक रुप से सस्ते होंगे तो भारतीय उत्पादों की मांग कम होने के स्थान पर बढ़ेंगी ही। जानकारों का मानना है कि अमेरिकी टैरिफ वार अमेरिका पर ही उल्टा पड़ना है। आज अमेरिका भारतीय प्रतिभाओं का लाभ उठा रहा है पर नए वीजा नियमों और विदेशियों को पलायन करने के बाध्यकारी आदेशों से अमेरिका आने वाले समय में शून्यता की और ही बढ़ेगा। लगता तो यहां तक है कि आने वाले समय में अमेरिका विदेशी प्रतिभाओं से शून्य हो जाएगा और अमेरिकी प्रतिभाओं को आगे आना इतना आसान भी नहीं होगा। इधर ट्रप के व्यवहार के चलते श्वेत-अश्वेत की खाई चौड़ी होती जा रही है। बीसवीं सदी के अंत में दुनिया के देशों में विश्वग्राम का सपना देखा था, इस दिशा में दुनिया के देश आगे भी बढ़े थे और फिर संचार क्रान्ति ने तो दुनिया के देषों को लगभग विश्वग्राम बना ही दिया पर जिस तरह के हालात ट्रंप जैसे अति महत्वाकांक्षी द्वारा उठाये जा रहे हैं, उससे विश्वग्राम का सपना बीच राह में ही टूटता नजर आने लगा है। एक दूसरे के सहयोग और समन्वय की बात तो ट्रंप ने भुला ही दी है। फिर सबकों एक ही लकड़ी से हांकने की नीति भी आत्मघाती बनती जा रही है। अमेरिका को समझना यह होगा कि आज आप किसी पर टैरिफ का दबाव बढ़ाते हो तो अन्य देशों के लिए राह आसान कर रहे हो। हो यह रहा है कि टैरिफ की मार का सबसे नकारात्मक प्रभाव अमेरिका पर ही पड़ना है। एक तरफ अमेरिका की जरुरतों को पूरा करने में जुटे विदेशी देषों के उत्पाद महंगे होंगे तो दूसरी और अमेरिकी इकोनोमी पर भी निश्चित रुप से विपरीत प्रभाव पड़ना ही है। आज दूसरे देशों के प्रति निर्भरता बढ़ी है और ऐसे में आगे बढ़ने के लिए दो मोर्चों पर जुटना पड़ता है। पहले तो यह कि दूसरे देशों में आ रहे बदलावों, तकनीक आदि को समझना और फिर उस तकनीक को अपनी जरुरत के अनुसार अपने देश में विकसित करना। अमेरिका दरअसल दूसरों की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करना चाहता है पर वह यह भूल रहा है कि इकोनोमी एक दूसरे की सहायता से आगे बढ़ती हैं। देसी-विदेशी मांग को बढ़ाना ही होता है। स्थानीय के साथ ही विदेशों में भी बाजार खोजना होता है। ऐसे में बड़े बड़े व्यापार समझौते देशों के बीच होते हैं। अमेरिका ने जिस तरह से व्यापार समझौतों को दरकिनार कर टैरिफ वार और तरह तरह के अवरोध खड़े करने के प्रयास किये हैं उनका असर अंततोगत्वा अमेरिकी इकोनोमी पर भी पड़ना ही है। लगता है ट्रंप अमेरिका को आत्मघाती गोल की तरफ ले जा रहा है। दुनिया के देशों को वैश्विक ग्राम की परिकल्पना को ही आगे बढ़ाना होगा। आज दुनिया और दुनिया के देश कहां खड़े हैं यह कोरोना काल में सबको पता चल चुका है। इसके साथ ही जिस तरह से युद्ध और वैश्विक अशांति के चलते पलायन का दौर चला है उसका खामियाजा फ्रांस सहित योरोपीय देश भुगतने लगे हैं। ऐसे में समय रहते नीतियों मे बदलाव जरुरी हो जाता है। जिस तरह से तकनीक ने एक दूसरे को नजदीक लाने का प्रयास किया है उसे आगे बढ़ाना वैश्विक नेताओं का दायित्व हो जाता है। आज एकला चालो रे की नीति से आगे बढ़ने और कुछ पाने की कल्पना करना बेमानी होगा, यह देर सबेर समझना ही होगा।

अमेरिका ने भारत पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद सोचा था कि भारत घुटनों के बल आ जाएगा पर हुआ इसका उल्टा ही और भारत ने नये बाजार की संभावनाएं तलाशना आंरभ कर दिया। आर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि अब चीन पर अमेरिकी टैरिफ वार का लगता है भारत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और भारत की निर्यात की संभावनाओं को पर लगने के अधिक आसार हो जाएंगे। स्वाभाविक है चीन के उत्पाद महंगे हो जाएंगे और भारतीय उत्पाद कपड़ा, हैण्डिक्राफ्ट, खिलौने आदि आदि तुलनात्मक रुप से सस्ते होंगे तो भारतीय उत्पादों की मांग कम होने के स्थान पर बढ़ेंगी ही। जानकारों का मानना है कि अमेरिकी टैरिफ वार अमेरिका पर ही उल्टा पड़ना है। आज अमेरिका भारतीय प्रतिभाओं का लाभ उठा रहा है पर नए वीजा नियमों और विदेशियों को पलायन करने के बाध्यकारी आदेशों से अमेरिका आने वाले समय में शून्यता की और ही बढ़ेगा। लगता तो यहां तक है कि आने वाले समय में अमेरिका विदेशी प्रतिभाओं से शून्य हो जाएगा और अमेरिकी प्रतिभाओं को आगे आना इतना आसान भी नहीं होगा। इधर ट्रप के व्यवहार के चलते श्वेत-अश्वेत की खाई चौड़ी होती जा रही है। बीसवीं सदी के अंत में दुनिया के देशों में विश्वग्राम का सपना देखा था, इस दिशा में दुनिया के देश आगे भी बढ़े थे और फिर संचार क्रान्ति ने तो दुनिया के देषों को लगभग विश्वग्राम बना ही दिया पर जिस तरह के हालात ट्रंप जैसे अति महत्वाकांक्षी द्वारा उठाये जा रहे हैं, उससे विश्वग्राम का सपना बीच राह में ही टूटता नजर आने लगा है। एक दूसरे के सहयोग और समन्वय की बात तो ट्रंप ने भुला ही दी है। फिर सबकों एक ही लकड़ी से हांकने की नीति भी आत्मघाती बनती जा रही है। अमेरिका को समझना यह होगा कि आज आप किसी पर टैरिफ का दबाव बढ़ाते हो तो अन्य देशों के लिए राह आसान कर रहे हो। हो यह रहा है कि टैरिफ की मार का सबसे नकारात्मक प्रभाव अमेरिका पर ही पड़ना है। एक तरफ अमेरिका की जरुरतों को पूरा करने में जुटे विदेशी देषों के उत्पाद महंगे होंगे तो दूसरी और अमेरिकी इकोनोमी पर भी निश्चित रुप से विपरीत प्रभाव पड़ना ही है। आज दूसरे देशों के प्रति निर्भरता बढ़ी है और ऐसे में आगे बढ़ने के लिए दो मोर्चों पर जुटना पड़ता है। पहले तो यह कि दूसरे देशों में आ रहे बदलावों, तकनीक आदि को समझना और फिर उस तकनीक को अपनी जरुरत के अनुसार अपने देश में विकसित करना। अमेरिका दरअसल दूसरों की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करना चाहता है पर वह यह भूल रहा है कि इकोनोमी एक दूसरे की सहायता से आगे बढ़ती हैं। देसी-विदेशी मांग को बढ़ाना ही होता है। स्थानीय के साथ ही विदेशों में भी बाजार खोजना होता है। ऐसे में बड़े बड़े व्यापार समझौते देशों के बीच होते हैं। अमेरिका ने जिस तरह से व्यापार समझौतों को दरकिनार कर टैरिफ वार और तरह तरह के अवरोध खड़े करने के प्रयास किये हैं उनका असर अंततोगत्वा अमेरिकी इकोनोमी पर भी पड़ना ही है।

इतिहास से टकराव के मूड़ में हैं चिदम्बरम या फिर सत्य की खोज में 'बोल' कर कांग्रेस को असहज कर रहे हैं?

यह पहला अवसर नहीं जब चिदंबरम ने इस तरह की राजनीतिक असुविधा पैदा की हो। कुछ सप्ताह पहले उन्होंने खुलकर कहा था कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय दबाव में आकर पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई नहीं की थी। चिदंबरम ने एक बार फिर ऐसा वक्तव्य दे दिया है जिसने पार्टी नेतृत्व की पेशानी पर बल डाल दिए हैं। पहले 26/11 के मुंबई हमलों पर उनका खुलासा और अब ऑपरेशन ब्लू स्टार को गलत रास्ता बताने वाला बयान, दोनों ने कांग्रेस को असहज स्थिति में ला खड़ा किया है। सवाल यह है कि चिदंबरम आखिर लगातार ऐसे संवेदनशील विषयों पर क्यों बोल रहे हैं जो पार्टी की आधिकारिक लाइन से टकराते हैं? क्या यह बौद्धिक ईमानदारी का प्रदर्शन है या किसी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा? चिदंबरम का कहना है कि 1984 में स्वर्ण मंदिर पर सेना की कार्रवाई गलत तरीका थी और इंदिरा गांधी ने उसकी कीमत अपने जीवन से चुकाई। उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह केवल प्रधानमंत्री का नहीं, बल्कि सेना, पुलिस, खुफिया तंत्र और सिविल प्रशासन– सबकी सामूहिक विफलता थी। सच कहें तो यह बयान कांग्रेस के उस ऐतिहासिक नैरेटिव को चुनौती देता है जिसके सहारे पार्टी तीन दशक से राष्ट्रीय सुरक्षा की अपरिहार्यता का तर्क देती आई है। इंदिरा गांधी के समय की राजनीतिक जटिलताओं और पंजाब के चरमपंथी दौर की पृष्ठभूमि में कांग्रेस ने हमेशा यह रेखांकित किया कि ब्लू स्टार राष्ट्र की रक्षा के लिए आवश्यक कदम था। ऐसे में चिदंबरम का गलत रास्ता कहना, पार्टी की नैतिक भूमि को हिला देता है। यह

पहला अवसर नहीं जब चिदंबरम ने इस तरह की राजनीतिक असुविधा पैदा की हो। कुछ सप्ताह पहले उन्होंने खुलकर कहा था कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय दबाव में आकर पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई नहीं की थी। उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस की उस सलाह का भी ज़िक्र किया जिसमें भारत को संयम बरतने को कहा गया था। इस बयान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अवसर दिया कि वह कांग्रेस पर विदेशी दबाव में झुकने का आरोप दोहराएँ। नतीजा यह हुआ कि एक बार फिर कांग्रेस को अपने ही वरिष्ठ नेता के शब्दों का स्पष्टीकरण देने की नौबत आई। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो दोनों बयान कांग्रेस के लिए दोहरा खतरा बनाते हैं। पहला, इससे विपक्ष को यह कहने का मौका मिलता है कि कांग्रेस के भीतर भी उसके अतीत और सुरक्षा नीति को लेकर असहमति है। दूसरा, इससे उन समुदायों और मतदाताओं में भ्रम पैदा होता है जो पहले से ही इन घटनाओं के कारण भावनात्मक रूप से संवेदनशील हैं। पंजाब में सिख भावनाएँ और राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय सुरक्षा की छवि, दोनों ही कांग्रेस के लिए नाजुक क्षेत्र हैं। ऐसे में चिदंबरम की आत्ममंथनकारी टिप्पणियाँ पार्टी के लिए आत्मघाती भी साबित हो सकती हैं। पर सवाल यह भी है कि क्या किसी लोकतांत्रिक दल में वरिष्ठ नेता को इतिहास और नीति पर स्वतंत्र राय रखने का अधिकार नहीं होना चाहिए? निस्संदेह होना चाहिए, परंतु राजनीति में वक्त और सन्दर्भ का भी मूल्य होता है। जब पार्टी पहले से चुनावी दबाव में हो, जब उसके नेतृत्व पर एकरूपता बनाए रखने की चुनौती हो, तब इस तरह के बयान आत्मनिरीक्षण से अधिक आत्मघाती बन जाते हैं। चिदंबरम एक अनुभवी राजनेता हैं, विद्वान भी हैं। उनके विचार निश्चय ही अकादमिक विमर्श के स्तर पर मूल्यवान हो सकते हैं, पर जब वही विचार सार्वजनिक मंच से राजनीतिक आरोपों के बीच आते हैं, तो वह कांग्रेस के लिए बोझ बन जाते हैं। यही कारण है कि पार्टी नेतृत्व ने संकेत दिया है कि यह आदत नहीं बननी चाहिए। दरअसल, यह पूरा प्रसंग कांग्रेस के भीतर विचार और अनुशासन के पुराने द्वंद्व को उजागर करता है। क्या पार्टी अपने अतीत पर ईमानदारी से पुनर्मूल्यांकन करने को तैयार है, या हर सवाल को असुविधाजनक बयान कहकर टाल देगी? इतिहास से मुठभेड़ से बचने वाली पार्टियाँ अक्सर अपने वर्तमान में खो जाती हैं।

दलितों पर बौद्ध धर्मांतरण का प्रभाव

एस आर दारापुरी

डॉ. बी.आर. अंबेडकर द्वारा 14 अक्टूबर, 1956 को नागपुर में एक सामूहिक कार्यक्रम में दलितों (जिन्हें पहले भारत की जाति व्यवस्था में ष्अछूतष कहा जाता था) के बौद्ध धर्म में धर्मांतरण का गहरा और बहुआयामी प्रभाव पड़ा है। एक दलित नेता और भारत के संविधान निमार्ता अंबेडकर ने बौद्ध धर्म को हिंदू धर्म की जातिगत पदानुक्रम के एक तर्कसंगत, समतावादी विकल्प के रूप में देखा, जिसमें स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर जोर दिया गया था। इस आंदोलन, जिसे अक्सर नवयान या नव-बौद्ध धर्म कहा जाता है, ने लाखों लोगों को धर्मांतरित होते देखा हैकुअनुमान है कि लगभग 4 करोड़ दलितों ने इसे अपनाया है, मुख्यतः महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में। यद्यपि जातिगत हिंसा के विरोध के रूप में धर्मांतरण जारी है, फिर भी 1980 और 1990 के दशक के चरम के बाद से इसकी दर में कमी आई है, और राजनीतिक बदलावों और प्रशासनिक बाधाओं के कारण बौद्ध जनसंख्या में 24.53ः की वृद्धि (1991-2001) से घटकर 6.13ः (2001-2011) रह गई है। सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरणरू धर्मांतरण ने दलितों को अस्पृश्यता और जाति-आधारित बहिष्कार को अस्वीकार करने में सक्षम बनाया है, जिससे उनमें सम्मान, आत्म-सम्मान और सामुदायिक एकजुटता की एक नई भावना का विकास हुआ है। करुणा, ज्ञान और संघ (समुदाय) जैसे बौद्ध मूल्यों को अपनाकर, दलितों ने विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, अनुष्ठान और विहार जैसे स्थान बनाए हैं, जो उच्च-जाति के प्रभुत्व को चुनौती देते हैं और एजेंसी को बढ़ावा देते हैं। यह महाराष्ट्र में विशेष रूप से परिवर्तनकारी रहा है, जहाँ यह आंदोलन सबसे प्रबल है, जिससे सापेक्ष समृद्धि, शिक्षा तक बेहतर पहुँच और पेशेवर अवसर प्राप्त हुए हैं। महिलाओं के लिए, इसने मुखरता और आत्म-चेतना को प्रोत्साहित किया है, शिक्षा और सक्रियता के माध्यम से पितृसत्तात्मक मानदंडों को तोड़ा है। इसका एक प्रमुख प्रभाव हिंदू धर्म द्वारा लगाए गए हीनता के कलंक से मानसिक मुक्ति है। धर्मांतरित लोग अक्सर पहली बार ष्मानवष्महसूस करते हैं, कर्म, भाग्य और दैवीय पदानुक्रम के विचारों से मुक्त, जो उनके उत्पीड़न को उचित ठहराते थे। इस बदलाव ने आत्मविश्वास, तर्कसंगत दृष्टिकोण और एक क्रांतिकारी मानसिकता का निर्माण किया है, जैसा कि दलित साहित्य और कविता में अतीत के अपमान के प्रति क्रोध और बदलाव के उत्साह को व्यक्त करते हुए देखा जा सकता है। बौद्ध धर्म का तर्कसंगत लोकाचार अंबेडकर के नारे ष्शिक्षित करो, आंदोलन करो, संगठित करोष के अनुरूप है, जो दलितों को शिक्षा प्राप्त करने और निरक्षरता व गरीबी के चक्र को तोड़ने के लिए प्रेरित करता है। डॉ. अंबेडकर कॉलेज जैसे संस्थानों ने पीढ़ियों को शिक्षित किया है, जिससे सामाजिक गतिशीलता को बढ़ावा मिला है, खासकर महार जैसी जातियों में। एक राजनीतिक विरोध के रूप में, धर्मांतरण ने दलित चेतना को बढ़ाया है, अधिकारों, प्रतिनिधित्व और सुधारों की मांगों को मजबूत किया है। इसने एक मजबूत चुनावी आधार तैयार किया है, राज्य पर अस्पृश्यता निवारण के लिए दबाव डाला है, और अनुसूचित जाति महासंघ जैसे संगठनों के माध्यम से सक्रियता को बढ़ाया है। सहारनपुर (2017) या ऊना (2016) में हुई हिंसा जैसे अत्याचारों के जवाब में, धर्मांतरण विद्रोह का रूप लेता है, एकजुटता को बढ़ावा देता है और जातिगत वर्चस्व को चुनौती देता है। दलितों ने बौद्ध धर्म को एक सामाजिक सुधार उपकरण के रूप में अपनाया है, जो रहस्यवाद की तुलना में नैतिकता और मानवीय गरिमा पर केंद्रित है। हिंदू धर्म की असमानताओं से इस ष्पहान पलायनष ने ध्यान और बौद्ध तथा दलित आख्यानों को मिलाकर रचे गए नए महाकाव्यों जैसी प्रथाओं को प्रेरित किया है, जो निरंतर पीड़ा का समाधान करते हैं इन लाभों के बावजूद, प्रभाव समान रूप से सकारात्मक नहीं हैं, कुछ सीमाएँ और प्रतिक्रियाएँ भी हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से सशक्त होते हुए भी, इस आंदोलन के व्यापक सामाजिक प्रभाव कुछ लोगों के अनुसार नगण्य रहे हैं, क्योंकि जातिगत भेदभाव कायम है, और धर्मांतरित लोगों को अभी भी बहिष्कार या हिंसा का सामना करना पड़ता है। धर्मांतरण के बाद गुप्त हिंसा, जैसे कि गाँवों में सामाजिक बहिष्कार, आम बात है। कर्नाटक जैसे राज्यों में, नव-बौद्धों को अनुसूचित जाति (एससी) आरक्षण के लिए जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने में कठिनाई होती है, जिसके कारण कुछ लोग लाभ बनाए रखने के लिए जनगणना या सर्वेक्षणों में हिंदू के रूप में अपनी पहचान दर्ज कराते हैं। इससे कम गणना और घटती आधिकारिक वृद्धि दर में योगदान होता है। दक्षिणपंथी समूह धर्मांतरण को एक खतरे के रूप में देखते हैं, जिससे दबाव बढ़ता है और समुदायों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा किया जाता है, जैसा कि उत्तर प्रदेश के धर्मांतरण विरोधी कानूनों में देखा गया है। आंतरिक रूप से, अम्बेडकरवादियों के बीच बहसकृजैसे जाति पहचान बनाम विनाश पर जोरकृएकता को कमजोर करती है। आलोचकों का तर्क है कि कुल मिलाकर कम परिवर्तन दरों के कारण धर्मांतरण का जनसांख्यिकीय प्रभाव न्यूनतम होता है। धर्मांतरित लोग बेहतर व्यवहार की आशा करते हैं, लेकिन अक्सर उन्हें दुविधाओं का सामना करना पड़ता है, जिसमें निरंतर हमले या जटिल आध्यात्मिक परिवर्तनों से निपटने की आवश्यकता शामिल है।

जातिवाद का जहर और दलित उत्पीड़न

हरियाणा में आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार का अंतिम संस्कार इन पंक्तियों के लिखे जाने तक नहीं हो पाया है, वहीं हरियाणा सरकार के दो मंत्री, मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव जैसे बड़े अधिकारी पूरन कुमार के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें अंतिम संस्कार और पोस्टमार्टम के लिए मनाने में जुटे हुए हैं। इस मामले में हरियाणा सरकार ने रोहतक के पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारनिया को हटा दिया है। आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की पत्नी ने उन पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया था। बता दें कि पूरन कुमार का शव 7 अक्टूबर मंगलवार को उनके घर पर मिला था। पुलिस ने इसे आत्महत्या बताया। अपनी मौत से पहले दिवंगत अधिकारी ने एक नोट छोड़ा है, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जातिगत प्रताड़ना और अपमान के आरोप उन्होंने लगाए। पूरन कुमार ने लिखा कि 2020 में तत्कालीन डीजीपी मनोज यादव ने मेरा उत्पीड़न शुरू किया, हरियाणा कैडर के अन्य अधिकारी आज भी प्रताड़ित कर रहे, तत्कालीन एसीएस गृह राजीव अरोड़ा ने मुझे छुट्टियां नहीं दी। मैं अपने बीमार पिता से मिलने तक नहीं जा सका। वर्षों तक मुझे मानसिक प्रताड़ना से गुजरना पड़ा। मेरे खिलाफ छद्म नामों से दुर्भावनापूर्ण शिकायतें की गईं। सार्वजनिक रूप से मुझे अपमानित और शर्मिंदा किया गया। अपने उत्पीड़न की एक लंबी फेरहिस्त देते हुए पूरन कुमार ने लिखा कि- मैं और अधिक प्रताड़ना बर्दाश्त नहीं कर सकता, इसीलिए मैंने सब कुछ खत्म करने का निर्णय लिया है। यकीन करना मुश्किल है कि 21 वीं का चौथाई हिस्सा निकल गया है और भारत में दलित उत्पीड़न खत्म ही नहीं हो रहा है। कहा जाता है कि कमजोर वर्गों को शिक्षा की शक्ति से लैस किया जाए, तो उनकी स्थिति में सुधार आएगा। लेकिन यहां ये तर्क भी नाकाम दिख रहा है। रायबरेली में गरीब हरिओम वाल्मिकी को पीट-पीट कर मारना, देश के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर जूता फेंकना और फिर सोशल मीडिया पर उसे सही ठहराया जाना और एक पुलिस सेवा के एक वरिष्ठ लेकिन दलित अधिकारी का उत्पीड़न के कारण आत्महत्या करना या उससे पहले वैज्ञानिक बनने की चाह रखने वाले छात्र रोहित वेमुला का आत्महत्या करना, तमाम मामले इस बात की गवाही चीख-चीख कर दे रहे हैं कि दलितों की स्थिति में तब तक सुधार नहीं आ सकता, जब तक इस देश से मनुवादी सोच का पूरी तरह खात्मा नहीं हो जाता। लेकिन अभी तो हाल ये है कि मनुस्मृति को ही धर्म बताकर संघ और भाजपा के समर्थकों का बड़ा हिस्सा उसे संविधान में तब्दील करने की तैयारी में है। राहुल गांधी ने इस बारे में संसद से ही देश को चेतावनी दे दी थी कि भाजपा मनुस्मृति को लागू करना चाहती है, संविधान को नहीं। लेकिन उनकी बात को राजनीति कहकर टालने की कोशिश सरकार कर रही है। हालांकि देश देख रहा है कि राहुल गांधी एक बार फिर सही साबित हो रहे हैं। पूरन कुमार की आत्महत्या मामले में आरोपियों को बचाने की कोशिशें हुईं, लेकिन उनकी पत्नी अमनीत पी. कुमार जो कि खुद 2003 बैच की आईएएस अधिकारी हैं, उन्होंने इसके खिलाफ आवाज उठाई और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि, पुलिस की एफआईआर में नाम हटाए गए और एससी एसटी एक्ट के सेक्शन कमजोर किए गये। अमनीत कुमार खुद प्रशासन और कानून की बारीकियों से वाकिफ हैं, इसलिए वे समझ गईं कि आरोपियों को बचाने की कैसी चालाकी चल रही है। अगर उनकी जगह आईपीएस अधिकारी की पत्नी साधारण पृष्ठभूमि की होतीं या इस बात को नहीं समझ पाती तो शायद इस मामले में पीड़ित को ही दोषी बताकर मामला दबा दिया जाता। अब तो विपक्ष ने भी इस पर पुरजोर आवाज उठाई है। मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया पर इसके खिलाफ लिखा, वहीं सोनिया गांधी ने एक कदम आगे बढ़कर अमनीत कुमार को ही चिट्ठी लिखी और इस संघर्ष में उनके साथ खड़े होने का यकीन दिलाया। आम आदमी पार्टी ने भी इस पर सवाल उठाए हैं कि कैसे आज भी दलितों को मध्ययुगीन प्रताड़ना का शिकार होना पड़ रहा है। विपक्ष अपना दायित्व निभा रहा है, लेकिन राज्य और केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा को इसमें राजनीति नजर आ रही है। क्या भाजपा यह नहीं जानती कि विपक्ष का काम उसकी गलतियों और कमजोरियों पर ध्यान दिलाना है, बाकी जी हुजूरी का सारा काम मीडिया तो कर ही रहा है, विपक्ष के दल भी अगर ऐसे ही सरकार की चापलूसी करने लगें तो फिर लोकतंत्र को पूरी तरह खत्म हो जाएगा। क्या भाजपा यही चाहती है कि इस देश में लोकतंत्र और संविधान न रहे। वैसे भी एनसीआरबी का डेटा बताता है- 2013-2023 के बीच दलितों पर अत्याचार 46 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति पर 91प्रतिशत तक बढ़ा है। 2023 में 57,789 दलित उत्पीड़न के मामले दर्ज हुए हैं। जिनमें उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 15,368 मामले फिर मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार जैसे भाजपा शासित राज्य है।

सितंबर में खुदरा महंगाई दर आठ साल में सबसे कम, आरबीआई के लक्ष्य के निचले स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। खुदरा महंगाई दर सितंबर महीने में घटकर 1.54 प्रतिशत रह गई। यह इससे पिछले महीने 2.07 प्रतिशत थी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति सितंबर 2024 में 5.49 प्रतिशत थी। आइए सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों पर एक नजर डालें। खुदरा महंगाई दर सितंबर महीने में घटकर 1.54 प्रतिशत रह गई। यह इससे पिछले महीने 2.07 प्रतिशत थी। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में इसकी पुष्टि की गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति सितंबर 2024 में 5.49 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने एक बयान में कहा, श्सितंबर 2025 के दौरान मुख्य मुद्रास्फीति और खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट मुख्य रूप से अनुकूल आधार प्रभाव और सब्जियों, तेल और वसा, फलों, दालों और उत्पादों, अनाज और उत्पादों, अंडे, ईंधन और प्रकाश की मुद्रास्फीति में गिरावट के कारण है।

अलग अंदाज में पूजा हेगड़े ने मनाया जन्मदिन

सोशल मीडिया पर दिखाई झलकियां; यूजर्स ने किए दिलचस्प कमेंट

अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने अपना जन्मदिन खास अंदाज में मनाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी झलकियां दिखाई हैं। आइए देखते हैं उनकी पोस्ट में क्या है। अभिनेत्री पूजा हेगड़े आज अपना 35वां जन्मदिन मना रही हैं। उन्होंने अपना जन्मदिन एक सादगी भरे कार्यक्रम से मनाया है। 'कुली' अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर जन्मदिन मनाने की झलकियां साझा की हैं। इसे उनके फैंस लाइक कर रहे हैं और इस पर कमेंट कर रहे हैं। आइए देखते हैं उन्होंने अपना जन्मदिन कैसे मनाया है। पूजा की पोस्ट में क्या है? पूजा हेगड़े ने अपने जन्मदिन की शुरूआत केक काटने की रस्म से की। उन्होंने इसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। तस्वीरों और वीडियो में देखा जा सकता है कि वह केक काटते हुए मुस्कुरा रही हैं। एक वीडियो में वह ताली बजा रही हैं और हंस रही हैं। इस दौरान उन्होंने बेहतरीन ड्रेस पहनी है। पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा है 'जन्मदिन का जश्न थोड़े से काम और ढेर सारे प्यार के साथ शुरू हुआ।' यूजर्स ने किए कमेंट पूजा हेगड़े की पोस्ट पर ज्यादातर यूजर्स ने उन्हें बधाई दी है। एक यूजर ने लिखा है 'यह दिन मेरी जिंदगी का खास दिन है।' एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'मेरा जन्म भी अक्तूबर में हुआ।' पूजा हेगड़े को मिला तोहफा डेक्कन क्रॉनिकल की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'देवा' अभिनेत्री को जन्मदिन से एक दिन पहले एक सरप्राइज मिला। जब वह हैदराबाद एयरपोर्ट से बाहर निकल रही थीं, तो कुछ पैपराजी ने उन्हें एक छोटा सा केक देकर रोक लिया। पोज देते हुए उन्होंने कहा 'बहुत प्यारा, शुक्रिया! आप लोग मेरा जन्मदिन पहले ही मना रहे हैं! आपको भी केक खाना चाहिए!' पूजा हेगड़े का वर्कफ्रंट काम की बात करें तो, पूजा हेगड़े के पास कई प्रोजेक्ट हैं। हाल ही में उन्हें डेविड धवन के निर्देशन में बन रही फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में लिया गया है। इस फिल्म में वरुण धवन के साथ मृणाल ठाकुर, मौनी रॉय, चंकी पांडे, मनीष पॉल, जिमी शेरगिल और कई अन्य कलाकार हैं। वह राजनीतिक एक्शन थ्रिलर 'जन नायकन' में विजय के साथ मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में बॉलीवुड के अभिनेता बॉबी देओल भी हैं। इसके अलावा वह रोमांटिक ड्रामा 'डीक्यू 41' में नजर आने वाली हैं।

गोविंदा और चंकी पांडे के साथ काजोल और ट्विंकल 90 के दशक की यादों का मनाएंगी जश्न

खिलाड़ी और नवाब की जबरदस्त मजेदार मुलाकात के बाद, प्राइम वीडियो का टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल अब लेकर आ रहा है बॉलीवुड के दो पुराने शरारती सितारों जैसे गोविंदा और चंकी पांडे को एक साथ! तैयार हो जाइए जोरदार हंसी, यादगार पलों और बॉलीवुड के सुनहरे दौर के जादू के लिए। ऐसी कहानियों को शेयर करते हुए जो किसी ने कभी नहीं सुनी हों, और अनोखे ूमर और यादगार शरारतें दिखाते हुए, गोविंदा और चंकी इस एपिसोड को खुशियों का कार्निवल बनाने वाले हैं, और साथ ही अपनी खास दोस्ती की झलक भी पेश करने वाले हैं। तैयार हो जाइए अनगिनत हंसी, हैरान कर देने वाली कहानियों और उस मजे के लिए, जो सिर्फ ये दोनों लीजेंड्स ही दे सकते हैं! टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल का नया एपिसोड इस गुरुवार प्राइम वीडियो पर एक्सक्लूसिव स्ट्रीमिंग के लिए देखें, जो 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में उपलब्ध होगा।

फिल्मफेयर अवॉर्ड्स शो में बहन और भांजी के साथ दिखे अभिषेक बच्चन, मां को लगाया गले, फैंस को खली ऐश्वर्या-आराध्या की

11 अक्टूबर की रात मुंबई में शानदार फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2025 का आयोजन किया गया, जहां सिनेमा जगत के कई दिग्गज कलाकारों को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इस खास शाम का एक बड़ा आकर्षण बने अभिषेक बच्चन, जिन्हें उनकी फिल्म ॅदज ज्व ज्ंसा के लिए बेस्ट एक्टर अवॉर्ड से नवाजा गया। अवॉर्ड नाइट में अभिषेक बच्चन अपने परिवार (मां, बहन और भांजी) के साथ नजर आए, लेकिन इस दौरान ऐश्वर्या और उनकी बेटी आराध्या की गैर-मौजूदगी फैंस को खल गई और वायरल वीडियो पर कई सवाल करने लगे। फिल्मफेयर द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में देखा जा सकता है कि जब बेस्ट एक्टर का नाम घोषित किया गया, तो अभिषेक ने भावुक होकर अपनी मां को गले लगाया और उनके माथे पर प्यार से किस किया। यह पल देखकर दर्शकों ने भी तालियों की गड़गड़ाहट से अभिषेक का स्वागत किया। हालांकि इस मौके पर अभिषेक की पत्नी ऐश्वर्या राय बच्चन और बेटी आराध्या नजर नहीं आईं। उनकी अनुपस्थिति सोशल मीडिया पर चर्चा का बड़ा विषय बन गई। फिल्मफेयर द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो पर कई नेटिजन्स ने सवाल करते नजर आए। एक यूजर ने लिखा, ऐश्वर्या राय कहां हैं? क्या उन्हें इस खुशी का हिस्सा नहीं बनने दिया गया।दूसरे ने कहा- अभिषेक के अवॉर्ड पर पूरा परिवार मौजूद है, लेकिन ऐश्वर्या और आराध्या क्यों गायब हैं?वहीं एक अन्य ने कहा, जब ऐश्वर्या ने पोन्नियिन सेलवन के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता था, तब परिवार में से कोई उनके साथ नहीं था, और अब अभिषेक के लिए सब मौजूद हैं।जहां एक ओर फैंस अभिषेक के अवॉर्ड जीतने पर बधाई दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ऐश्वर्या की अनुपस्थिति को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। कुछ यूजर्स ने इसे बच्चन परिवार की इंटर्नल इक्वेशन से जोड़ते हुए लिखा कि परिवार के बीच दूरियां साफ दिखाई दे रही हैं।फिलहाल, इस पूरे मामले पर बच्चन परिवार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन इतना तो तय है कि अभिषेक बच्चन ने अपने दमदार प्रदर्शन से फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2025 की रात को अपने नाम कर लिया।

70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में अभिषेक बच्चन की गूंज!

आई वांट टू टॉक के लिए जीता बेस्ट एक्टर अवॉर्ड

यह रात पूरी तरह अभिषेक बच्चन के नाम रही। इस साल उन्होंने आलोचनात्मक सराहना और व्यावसायिक सफलता द दोनों ही मोर्चों पर असाधारण प्रदर्शन किया, और उसी एनर्जी को लेकर वे फिल्मफेयर के मंच पर उतरे। सबसे पहले अभिषेक ने अपनी शानदार डांस परफॉर्मेंस से मंच पर धूम मचा दी, जिससे दर्शक लगातार तालियाँ बजाने पर मजबूर हो गए। अभिषेक ने अपने पिता, महानायक अमिताभ बच्चन को ट्रिब्यूट देते हुए उनके कुछ सबसे प्रतिष्ठित गीतों कृ के पग घुंघरू, खैके पान बनारस वाला, सारा जमाना, जहां तेरी ये नजर है, मच गया शोर, तेरी बिंदिया, जुम्मा चुम्मा दे दे और शावा शावा पर परफॉर्मेंस किया। ऊर्जा और पुरानी यादों से भरपूर उनके शानदार ऐक्ट ने अहमदाबाद के दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया और जल्द ही यह रात का सबसे चर्चित प्रदर्शन बन गया। देर शाम, अभिषेक की शानदार रात तब और भी जारी रहा जब उन्हें आई वांट टू टॉक में उनके बहुप्रशंसित अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ लीड ऐक्टर (पुरुष) का पुरस्कार मिला। उनकी जीत की घोषणा होते ही पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा। यह जीत उनके शानदार करियर उल्लेखनीय सफलताओं का प्रतीक था। फिल्म में उनका अभिनय द बहुस्तरीय, भावनात्मक और जमीनी स्तर पर द आज भी उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में से एक के रूप में सराहा जाता है। अपनी करिश्माई स्टेज प्रेजेंस और दमदार प्रदर्शन के साथ, अभिषेक बच्चन ने 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स को कला, आकर्षण और सफलता का उत्सव बना दिया कृ और यह वर्ष उनके करियर के सबसे निर्णायक पड़ावों में से एक के रूप में दर्ज हो गया।

कौन हैं अंशुल गर्ग- एक दीवाने की दीवानियत के लगातार म्यूजिकल हिट्स के पीछे का नाम

अगर कोई फिल्म अपनी रिलीज से पहले ही एक म्यूजिकल सनसनी बन चुकी है, तो वह है एक दीवाने की दीवानियत। मिलाप मिलन जवेरी के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म ने अब तक चार लगातार हिट गाने दिए हैं, जो किसी भी फिल्म के रिलीज से पहले बहुत कम देखने को मिलता है। और इस शानदार सफलता के केंद्र में हैं अंशुल गर्ग, जो इस फिल्म के साथ बतौर फिल्म प्रोड्यूसर अपना डेब्यू कर रहे हैं। उन्होंने अपनी नई कंपनी देसी मूवीज फैक्टरी के बैनर तले इस फिल्म का निर्माण किया है। बहुत से लोगों के लिए अंशुल गर्ग किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। देसी म्यूजिक फैक्ट्री और प्ले डीएमएफ के संस्थापक के रूप में वे पहले ही भारत के स्वतंत्र संगीत जगत को नई दिशा दे चुके हैं। उन्होंने देश को पिछले कुछ वर्षों में कई सुपरहिट पॉप गाने दिए हैं। मेलोडी को पहचानने की उनकी गहरी समझ और टैलेंट खोजने की उनकी क्षमता ने उन्हें म्यूजिक इंडस्ट्री का एक अहम नाम बना दिया है। अब उन्होंने म्यूजिक की दुनिया से सिनेमा की ओर कदम बढ़ाया है कृ और उनका पहला फिल्मी प्रोडक्शन पहले से ही एक म्यूजिकल ब्लॉकबस्टर साबित हो रहा है।फिल्म के साउंडट्रैक की शुरूआत इसके टाइटल ट्रैक दीवानियत से हुई, जिसे विशाल मिश्रा ने गाया है। अपनी खूबसूरत धुन और दिल को छू लेने वाले बोलों की वजह से यह गाना तुरंत लोगों के दिलों में बस गया। इस गाने ने फिल्म के मूड को सेट कर दिया एक ऐसी कहानी का वादा करते हुए जिसमें प्यार, जुनून और दीवानगी सब कुछ है, और जिसे संगीत ने और भी गहराई दी है। दूसरा गाना बोल कफ्फारा क्या होगा, नेहा कक्कड़ और फरहान साबरी की आवाज में, टूटे दिल की भावनाओं को सामने लाता है। रेमो डिसूजा द्वारा कोरियोग्राफ किया गया यह गीत अपने भव्य विजुअल्स और सोनम बाजवा व हर्षवर्धन राणे के गहरे अभिनय की वजह से खूब सराहा गया। तीसरा गाना मेरा हुआ एक बिल्कुल अलग एहसास लेकर आया यह गाना प्यार और तड़प का कोमल, आत्मीय और सुकून देने वाला रूप दिखाता है। इसे अंकुर आर. पाठक ने गाया और कंपोज किया है, जबकि इसके बोल सचिन उर्मतोश ने लिखे हैं। इस गीत ने फिल्म के संगीत को और भी विविध और समृद्ध बना दिया है। अब दर्शकों का उत्साह चौथे गाने दिल दिल दिल के लिए चरम पर है, जो कल रिलीज होने जा रहा है। इसे सुनिधि चौहान और संदीप जहान ने गाया है, इसके बोल सिद्धांत कौशल ने लिखे हैं और संगीत अनु मलिक ने तैयार किया है। यह गाना जोश, रोमांस और सिनेमा की ऊर्जा का बेहतरीन संगम होने वाला है कृ और यह इस एल्बम को और भी ऊँचाई पर ले जाने की पूरी क्षमता रखता है। अंशुल गर्ग द्वारा प्रोड्यूस और राघव शर्मा द्वारा को-प्रोड्यूस की गई इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का संगीत इन दिनों पूरे इंडस्ट्री में चर्चा का विषय बना हुआ है। इसे इस बात के लिए भी सराहा जा रहा है कि इसने उस पुराने बॉलीवुड दौर को फिर से जीवित कर दिया है, जब फिल्मों की कहानी और भावनाएँ संगीत के सहारे आगे बढ़ती थीं। अंशुल गर्ग के लिए फिल्मों की ओर यह कदम कोई योजनाबद्ध बिजनेस मूव नहीं था, बल्कि उनके रचनात्मक सफर की स्वाभाविक अगली कड़ी थी। उन्होंने पहले ही भारत के सबसे सफल स्वतंत्र संगीत ब्रांडों में से एक बनाया है, और अब सिनेमा को उन्होंने अपनी कहानी कहने के अगले मंच के रूप में चुना है। एक दीवाने की दीवानियत के जरिए उन्होंने न सिर्फ फिल्मों की दुनिया में कदम रखा है, बल्कि यह भी साबित किया है कि संगीत आधारित कहानियाँ आज भी दर्शकों के दिलों पर राज कर सकती हैं।

रणजी ट्रॉफी के लिए बिहार की टीम घोषित, 14 साल के वैभव सूर्यवंशी को मिली बड़ी जिम्मेदारी

पटना (एजेंसी)। बिहार 15 अक्तूबर से मोइन-उल-हक स्टेडियम में प्लेट लीग सत्र के अपने पहले मैच में अरुणाचल प्रदेश से भिड़ेगा। टीम की घोषणा रविवार देर रात बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने की। बिहार ने बुधवार से शुरू हो रहे आगामी रणजी ट्रॉफी सत्र के पहले दो मैचों के लिए 14 वर्षीय प्रतिभाशाली बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को उपकप्तान नियुक्त किया है, जबकि सकीबुल गनी टीम के कप्तान होंगे। बिहार 15 अक्तूबर से मोइन-उल-हक स्टेडियम में प्लेट लीग सत्र के अपने पहले मैच में अरुणाचल प्रदेश से भिड़ेगा। टीम की घोषणा रविवार देर रात बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने की। पिछले रणजी सत्र में एक भी जीत दर्ज न कर पाने के कारण बिहार प्लेट लीग में खिसक गया था। सूर्यवंशी ने 2023-24 सत्र में 12 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया था। बाद में वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अनुबंध हासिल करने वाले सबसे कम उम्र (13) के खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने भारत की अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया का दौरा भी किया। सूर्यवंशी को आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स ने अपनी टीम में चुना था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ केवल 35 गेंद पर शतक लगाकर पुरुष क्रिकेट में टी 20 में शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र (14) का विश्व रिकॉर्ड बनाया।

कनाडाई विदेश मंत्री की पीएम मोदी और जयशंकर के साथ बैठक

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएम मोदी ने कहा कि उनका दौरा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय साझेदारी को गति देगा। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा गया कि पीएम मोदी ने विदेश मंत्री आनंद का स्वागत किया और बताया कि उनका यह दौरा द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊर्जा देगा। इस साल मई में कनाडा की विदेश मंत्री बनने के बाद अनीता आनंद की यह पहली भारत यात्रा है। पीएमओ के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी ने जून में जी-7 सम्मेलन के दौरान अपने कनाडा दौरे की चर्चा की, जिसमें उन्होंने कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ 'बेहद उत्पादक' मुलाकात की थी। पीएमओ ने कहा कि

प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, कृषि और जन-जन संबंधों में सहयोग को बढ़ाना महत्वपूर्ण है। मोदी ने कार्नी को अपनी शुभकामनाएं दीं और कहा कि वह आगे की बैठकों की उम्मीद करते हैं। आनंद और जयशंकर की बैठक में क्या चर्चा हुई? इससे पहले अनीता आनंद ने अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर के साथ बैठक की। बैठक में भारत के जयशंकर ने कहा, हमारी आज की बैठक 26 मई को हुई हमारी टेलीफोन पर बातचीत के बाद से लगातार रचनात्मक चर्चाओं का हिस्सा है। भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंध पिछले दो महीनों में लगातार आगे बढ़े हैं। हम अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी तंत्रों को फिर से शुरू करने और उन्हें मजबूत करने पर काम कर रहे हैं। जयशंकर ने कहा, जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कनानास्किस में प्रधानमंत्री कार्नी से मुलाकात के दौरान कहा था कि भारत का दृष्टिकोण एक सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का है। आज सुबह आपने प्रधानमंत्री से मुलाकात की और उनसे व्यक्तिगत रूप से हमारे सहयोग के दृष्टिकोण के बारे में सुना और यह भी जाना कि उसे सबसे अच्छे तरीके से कैसे साकार किया जा सकता है। जयशंकर ने कहा, हम दोनों पक्षों ने आज की बैठक के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप तैयार किया है, जिससे हमारे सहयोग को विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ावा मिलेगा, जिनमें व्यापार, निवेश, कृषि, विज्ञान और तकनीक, सिविल न्यूक्लियर सहयोग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, महत्वपूर्ण खनिज और ऊर्जा शामिल हैं। मुझे खुशी है कि दोनों उच्चायुक्तों ने संबंधित राजधानियों में अपनी जिम्मेदारियां संभाल ली हैं और आज की बैठकों में भाग ले रहे हैं। वहीं आनंद ने कहा, नमस्ते, इस सुबह हमें जो गर्मजोशी से स्वागत मिला, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। हमें यह अवसर मिला कि हम आज यहां नई दिल्ली में आपके साथ कनाडा-भारत संबंधों को आगे बढ़ा सकें, इसके लिए हम बेहद आभारी हैं। सबसे पहले, मैं आपको उन बातचीत के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं, जो हमारे बीच 13 मई के बाद से हुई हैं, जब मैं कनाडा की विदेश मंत्री नियुक्त की गई थी। साथ ही, प्रधानमंत्री कार्नी को यह खुशी थी कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का कनानास्किस में हुए जी7 सम्मेलन में स्वागत किया, जहां दोनों नेताओं के बीच एक सार्थक द्विपक्षीय वार्ता हुई, जिसने आज की हमारी चर्चा का मार्गदर्शन किया है। आज, हम भारत-कनाडा संयुक्त बयान पर चर्चा करेंगे, जिसमें ऐसे कई ऐसे मुद्दों को शामिल किया जाएगा जो हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और ऊंचा उठाने के काम को आगे बढ़ाने में मदद करेंगे। आनंद ने कहा, मैं सुरक्षा संवाद को लेकर कही गई आपकी बातों की सराहना करती हूं। जब हम महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जलवायु जैसे क्षेत्रों में अपने संबंधों को और आगे बढ़ा रहे हैं, तब भी यह संवाद जारी रहेगा।

तालाब के लिए प्रस्तावित सरकारी जमीन पर कई लोगों की नजर, रात के अंधेरे में जमीन कब्जाने की कोशिश

कोरबा (एजेंसी)। कोरबा जिले में रिसदी वार्ड के अंतर्गत डिंगापुर में अवैध कब्जा करने का मामला सामने आया है। जबकि स्थानीय लोगों ने अपनी जरूरत के लिए यहां तालाब बनाना प्रस्तावित किया है। महिलाओं ने कहां कि उन्हें इस जमीन पर केवल तालाब चाहिए और कुछ नहीं। नगर पालिका निगम कोरबा के वार्ड संख्या 36 में तालाब के लिए प्रस्तावित सरकारी जमीन पर कई लोगों की नजर लगी हुई है। स्थानिय जनता ने अब तक जमीन को

बचाकर रखा हुआ है। लोगों की शिकायत है कि रात के अंधेरे में कई अज्ञात लोग यहां राखड़ डंप कर जमीन कब्जाने में लगे हैं। लोगों ने प्रशासन से इस मामले में कार्रवाई करने की मांग की है। कोरबा में रिसदी वार्ड के अंतर्गत डिंगापुर में कम्युनिटी हॉल के पास का यह वह इलाका है, जहां पर अवैध कब्जा करने का काम अज्ञात लोगों के द्वारा किया जा रहा है। जबकि स्थानीय लोगों ने अपनी जरूरत के लिए यहां तालाब बनाना प्रस्तावित किया है। महिलाओं ने कहां कि उन्हें इस जमीन पर केवल तालाब चाहिए और कुछ नहीं। वार्ड में रहने वाली फूलमती ने बताया कि पिछले कई वर्षों से यहां तालाब बनवाने के लिए बस्ती वासियों ने प्रस्ताव रखा था, जहां इस सरकारी जमीन को तालाब के लिए संरक्षित किया गया है। रातों-रात जमीन दलालों के द्वारा राख और मिट्टी डंपकर अवैध रूप से कब्जा किया जा रहा था, जहां विरोध कर वाहन चालकों को मौके से भगाया गया। सावित्रीबाई ने बताया कि एक दिन पहले ही यहां गड्ढे थे, लेकिन रातों-रात रखड़ मिट्टी कौन कहां से आया और डंप दिया है।

संसद में तालियों की गड़गड़ाहट के साथ ट्रंप का स्वागत

स्पीकर बोले- नोबेल पुरस्कार के लिए करेंगे समर्थन

यरूशलम (एजेंसी)। गाजा में युद्धविराम के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में हैं। ट्रंप सोमवार को इस्राइली संसद पहुंचे, जहां सदस्यों ने खड़े होकर तालियों के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान स्पीकर अमीर ओहाना ने कहा कि उनका देश अगले साल ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार दिलाने के लिए समर्थन देगा। उन्होंने कहा कि इस्राइल दुनियाभर के स्पीकर और नेताओं को एकजुट करेगा, ताकि वे ट्रंप को अगले साल नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित कर सकें। वहीं, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बंधकों की रिहाई को लेकर ट्रंप की सराहना की। नेतन्याहू ने नेसेट (इस्राइली संसद) में अपने

भाषण में ट्रंप की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ट्रंप के प्रस्ताव ने हमास के साथ युद्ध खत्म कर दिया। नेतन्याहू ने कहा कि ट्रंप का प्रस्ताव युद्ध को समाप्त कर चुका है और हमारे सभी लक्ष्य पूरे हो गए हैं। मैं इस शांति के प्रति प्रतिबद्ध हूं। नेतन्याहू ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में इस्राइल के सबसे बड़े मित्र रहे हैं। नेसेट को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप, हम आपका यहां स्वागत करते हैं ताकि हम आपको उस महत्वपूर्ण नेतृत्व के लिए धन्यवाद दे सकें, जो आपने उस प्रस्ताव को लेकर दिखाया, जिसे पूरी दुनिया का समर्थन मिला। यह वह प्रस्ताव है जो हमारे सभी बंधकों को घर वापस ला रहा है। यह वह प्रस्ताव है जो हमारे सभी उद्देश्यों को पूरा करते हुए युद्ध को समाप्त कर रहा है। ट्रंप को इस्राइली सर्वोच्च सम्मान के लिए किया नामांकित नेतन्याहू ने कहा, मैंने अब तक कई अमेरिकी राष्ट्रपतियों को देखा है, लेकिन मैंने कभी किसी को इतनी तेजी और निर्णायक तरीके से दुनिया को बदलते नहीं देखा, जैसा कि हमारे मित्र राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप ने किया है। नेतन्याहू ने ट्रंप को इस्राइल के सर्वोच्च सम्मान 'इस्राइल प्राइज' के लिए नामांकित किया है। मिस्र में आयोजित शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे नेतन्याहू इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने पुष्टि की कि नेतन्याहू आज मिस्र में होने वाले सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। उनके कार्यालय ने एक्स पर एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री नेतन्याहू को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने आज मिस्र में हो रहे सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। बयान में आगे कहा गया, प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति ट्रंप को उनके निमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया, लेकिन कहा कि वह त्योहार के शुरू के नजदीक होने की वजह से सम्मेलन में भाग नहीं ले पाएंगे।

महिला ने मराठी को लेकर टिप्पणी की, मनसे नेता ने मारा थप्पड़; वीडियो को लेकर छिड़ा विवाद

ठाणे (एजेंसी)। ठाणे राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की वरिष्ठ निरीक्षक अर्चना दुसाने ने पुष्टि की कि दोनों पक्षों के बीच मामला सुलझ गया है। मराठी और मराठी मानुष के बारे में अपशब्द कहने और गाली देने वाली महिला द्वारा माफी मांगने के बाद, दोनों पक्षों ने वहीं मामला सुलझा लिया। महाराष्ट्र में एक महिला ने मराठी भाषा को लेकर विवादित टिप्पणी की, जिसे लेकर मनसे की एक नेता ने महिला को थप्पड़ मार दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और इस पर खूब विवाद भी हो रहा है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई है और दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से मामला खत्म कर दिया। क्या है पूरा मामला पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार रात को ठाणे के कलवा रेलवे स्टेशन की है, जहां एक महिला और पुरुष के बीच विवाद हुआ। इस विवाद के दौरान कथित तौर पर महिला ने मराठी भाषा को लेकर विवादित टिप्पणी की। जिस व्यक्ति के साथ महिला का विवाद हुआ, उसकी पत्नी मनसे की पदाधिकारी है। मनसे नेता

ने महिला को ढूंढा और कैमरे पर उससे माफी मंगवाई। महिला ने कैमरे पर स्वीकार किया कि उसकी मराठी भाषा को लेकर की गई टिप्पणी गलत थी और उसने व्यक्ति पर हाथ भी उठाया। इसके बाद महिला ने अपने किए पर पछतावा जाहिर करते हुए माफी मांगी। जब महिला अपनी बात खत्म कर रही थी, तभी वहां बैठी मनसे नेता ने महिला को थप्पड़ मार दिया। मनसे नेता ने महिला को चेतावनी भी दी कि आगे से ऐसा न करे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और इसे लेकर विवाद हो रहा है। लोग इसे लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। किसी पक्ष ने शिकायत नहीं की ठाणे राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की वरिष्ठ निरीक्षक अर्चना दुसाने ने पुष्टि की कि दोनों पक्षों के बीच मामला सुलझ गया है। उन्होंने कहा, 'शुक्रवार रात हुई इस घटना में एक पुरुष और एक महिला शामिल थे। वह व्यक्ति मनसे की एक पदाधिकारी का पति निकला। मराठी और मराठी मानुष के बारे में अपशब्द कहने और गाली देने वाली महिला द्वारा माफी मांगने के बाद, दोनों पक्षों ने वहीं मामला सुलझा लिया।' अधिकारी ने बताया कि बाद में दोनों ने जीआरपी से संपर्क किया और बताया कि उनका समझौता हो गया है और फिर वे परिसर से चले गए।

मुरीदके में टीएलपी और पुलिस के बीच झड़प; एसएचओ की मौत, तीन प्रदर्शनकारी भी मारे गए, सड़कें बंद

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के मुरीदके में टीएलपी और पुलिस के बीच हुई झड़प में एक एसएचओ समेत टीएलपी के तीन प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई है। सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है। यह झड़प उस समय हुई जब पहले ही देश में माहौल तनावपूर्ण है। प्रदर्शन फिलहाल शांत कर दिए गए हैं, लेकिन प्रशासन

सतर्क है कि दोबारा भीड़ न इकट्ठी हो। तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच सोमवार तड़के मुरीदके में हिंसक झड़प हुई। पुलिस ने बताया कि सुबह 3 बजे शुरू हुई कार्रवाई करीब छह घंटे चली। इस दौरान एक स्टेशन हाउस ऑफिसर शहीद हो गया और तीन टीएलपी सदस्यों की मौत हो गई। कैसे शुरू हुआ विवाद? टीएलपी ने शुक्रवार को लाहौर से 'गाजा और फलस्तीन के समर्थन' में रैली शुरू की थी। उनका इरादा इस्लामाबाद पहुंचकर अमेरिकी दूतावास के बाहर प्रदर्शन करने का था। सरकार ने इस मार्च को रोकने के लिए रास्तों पर गड्ढे खुदवाकर और बैरिकेड लगाकर रास्ते बंद कर दिए थे। प्रदर्शनकारियों ने फिर मुरीदके में डेरा डाल दिया। रविवार देर रात पुलिस और पाकिस्तानी रेंजर्स (पंजाब) ने इलाके को घेर लिया। सोमवार तड़के सुरक्षा बलों ने भीड़ को हटाने की कार्रवाई शुरू की। इसी दौरान हिंसा भड़क गई। झड़प में कितने लोग हुए हताहत? पंजाब पुलिस के प्रवक्ता मुबाशिर हुसैन ने बताया, एसएचओ शहजाद नवाजकी शहीदी शेखुपुरा के फैक्ट्री एरिया थाने में गोलीबारी के दौरान हुई।

ट्रंप के फैसले के खिलाफ निर्वस्त्र होकर लोगों ने निकाली बाइक रैली, सैनिकों की तैनाती का कर रहे विरोध

वॉशिंगटन (एजेंसी)। साल 2004 से, ओरेगन के सबसे बड़े शहर पोर्टलैंड की सड़कों पर हर साल निर्वस्त्र बाइक रैली निकाली जाती है। इस बाइक राइड में भीड़ स्पीकर पर संगीत बजाते हुए साइकिल चलाती है। 'पोर्टलैंड वर्ल्ड नेकेड बाइक राइड' के अनुसार, कुछ वर्षों में लगभग 10,000 लोग इसमें शामिल हुए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के खिलाफ ओरेगन के पोर्टलैंड शहर में अनोखा विरोध प्रदर्शन हुआ। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोगों ने निर्वस्त्र होकर बाइक रैली निकाली। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा पोर्टलैंड में नेशनल गार्ड्स की तैनाती के विरोध में ये बाइक रैली निकाली गई। अमेरिका

के कई शहरों में संघीय बल नेशनल गार्ड्स की तैनाती के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। पोर्टलैंड में हर साल आयोजित की जाती है ये खास बाइक रैली पोर्टलैंड में हर साल विश्व नग्न बाइक राइड का आयोजन किया जाता है, लेकिन ट्रंप प्रशासन द्वारा पोर्टलैंड में अप्रवासियों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई और नेशनल गार्ड्स की तैनाती के फैसले की खिलाफ इस बार समय से पहले ही इस अनोखी बाइक रैली का आयोजन किया गया। पोर्टलैंड में बीते कई दिनों से अप्रवासियों के खिलाफ आव्रजन विभाग की कार्रवाई का विरोध हो रहा है। आव्रजन केंद्र के बाहर कई बार प्रदर्शनकारी और सुरक्षाकर्मियों की भिड़ंत हो चुकी है। रैली में शामिल हुए एक प्रदर्शनकारी जेनेन किंग ने निर्वस्त्र बाइक राइड को विरोध करने का पोर्टलैंड का विशिष्ट तरीका बताया। 51 वर्षीय महिला ऊनी मोजो, जो एक विग और एक टोपी के अलावा पूरी तरह निर्वस्त्र थी, उसने गर्म चाय की चुस्की लेते हुए कहा कि उसे लगातार हो रही बारिश से कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने कहा कि 'हम बिल्कुल नहीं चाहते कि हमारे शहर में सैनिक आएं। साल 2004 से, ओरेगन के सबसे बड़े शहर पोर्टलैंड की सड़कों पर हर साल नग्न निकाली जाती है। इस बाइक राइड में भीड़ स्पीकर पर संगीत बजाते हुए साइकिल चलाती है। पोर्टलैंड वर्ल्ड नेकेड बाइक राइड के अनुसार, कुछ वर्षों में लगभग 10,000 लोग इसमें शामिल हुए हैं। अपीलीय अदालत के फैसले का इंतजार बाइक सवार सड़कों से होते हुए शहर के आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन भवन तक पहुंच गए। पोर्टलैंड के लोगों को शहर की एक अपीलीय अदालत के फैसले का इंतजार है, जो जल्द ही यह फैसला करेगी कि क्या ट्रम्प संघीय सैनिकों को भेज सकते हैं? बीती 5 अक्टूबर को एक संघीय न्यायाधीश ने नेशनल गार्ड्स की तैनाती पर अस्थायी रोक लगाने का आदेश दिया था।

दक्षिण अफ्रीका के पहाड़ी क्षेत्र में नियंत्रण खोकर खाई में गिर गई बस, 42 लोगों की मौत

केपटाउन (एजेंसी)। घटना के बाद राहतकर्मी मौके पर पहुंचे और कई घायलों को आसपास के अस्पतालों में

भर्ती कराया गया। लिम्पोपो प्रांतीय सरकार ने कहा है कि हादसे के कारणों की जांच के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है। दक्षिण अफ्रीका के उत्तर में स्थित पहाड़ी क्षेत्र में सोमवार को एक भीषण बस हादसे में कम से कम 42 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना रविवार को एन-1 राजमार्ग पर लुईस ट्रिचार्ड्ट कस्बे के पास हुई, जो कि प्रिटोरिया से लगभग 400 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। सड़क परिवहन प्रबंधन निगम के प्रवक्ता साइमन ज्वाने ने बताया कि अब तक 42 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, हालांकि मृतकों और घायलों की सटीक संख्या की जांच अभी जारी है। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, बस पहाड़ी रास्ते पर नियंत्रण खो बैठी और सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरी। सरकारी विभाग की ओर से जारी तस्वीरों में नीले रंग की बस उलटी पड़ी दिखाई दे रही है। सरकारी बयान में बताया गया कि यह बस दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी केप प्रांत से उत्तर की ओर जा रही थी और इसमें सवार यात्री ज्यादातर जिम्बाब्वे और मलावी के नागरिक थे, जो अपने घर लौट रहे थे।

'यह आंसुओं और खुशी की शाम', नेतन्याहू का भावनात्मक संदेश

बंधकों की रिहाई को लेकर तैयार है इस्राइल

इस्राइली (एजेंसी)। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बच्चों की वापसी पर भावुक संदेश दिया। उन्होंने कहा यह आंसुओं और खुशी की शाम है। अमेरिका की मध्यस्थता में इस्राइली-हमास के बीच हुए समझौते के तहत बंधकों की रिहाई सोमवार को होगी। इस्राइल-हमास संघर्ष के बीच बंधकों की रिहाई की तैयारियों के बीच इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार शाम एक भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा यह आंसुओं और खुशी की शाम है, क्योंकि कल हमारे बच्चे अपनी सीमा पर लौटेंगे। बता दें कि सोमवार को शांति योजना के तहत हमास 20 बंधकों को रिहा करेगा। नेतन्याहू ने अपने संबोधन में कहा कि इस्राइल के नागरिकों, मेरे भाइयों

और बहनों, यह एक भावनात्मक शाम है- आंसुओं की भी और खुशी की भी। क्योंकि कल बच्चे अपनी सीमा पर लौटेंगे। बंधकों की रिहाई को लेकर इस्राइल तैयार प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बताया कि इस्राइल सभी बंधकों को तुरंत वापस लेने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी कि नेतन्याहू ने बंधक और लापता लोगों के समन्वयक ब्रिगेडियर जनरल (रि.) गैल हिर्श से इस संबंध में बातचीत की। पोस्ट में लिखा गया प्रधानमंत्री नेतन्याहू: इस्राइल पूरी तरह तैयार है- हम अपने सभी बंधकों को तुरंत वापस लेने के लिए तत्पर हैं। अमेरिका की मध्यस्थता में ऐतिहासिक समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कराए गए युद्धविराम समझौते के तहत इस्राइल लगभग 2,000 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा और गाजा को पूर्ण मानवीय सहायता की अनुमति देगा। गाजा इस समय गंभीर खाद्य संकट और भुखमरी का सामना कर रहा है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।